महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

सुविचार

अच्छा बनने के बजाय सरल बनने का प्रयास करें क्योंकि, अच्छा मात्र आंखों तक पहुँच पाता है जबकि सरल हृदय तक

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 337 | उज्जैन, मंगलवार 19 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

विधानसभा चुनाव 2027 के पहले या बाद में... यूपी में कब होंगे पंचायत चुनाव योगी सरकार के फैसले के बाद तस्वीर साफ

लखनऊ/ जीएनएस। कैबिनेट द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन का निर्णय लिए जाने के साथ ही पंचायत चुनाव की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। आयोग की सिफारिशें आने, सीटों का आरक्षण तय किए जाने और राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव संपन्न कराने की प्रक्रिया में ही नौ महीने से अधिक समय लगेंगे। जब ये प्रक्रियाएं पूरी होंगी उस समय प्रदेश में विधान सभा चुनाव के लिए मतदान का समय रहेगा। माना जा रहा है कि पंचायत चुनाव अब विधान सभा चुनाव के बाद ही कराए जा सकेंगे। आयोग के गठन का निर्णय लिए जाने के साथ ही सरकार अब हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में आयोग के गठन को लेकर चल रही सुनवाई में अपना पक्ष रखेगी, सुनवाई की तिथि 19 मई निर्धारित है।वर्ष 2021 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल में चार चरणों में कराए गए थे। दो मई को मतों की गिनती हुई थी।26 मई को ग्राम पंचायतों की पहली बैठक हुई थी, जबकि जुलाई में जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायतों की पहली बैठकें हुई थीं। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक पंचायत चुनाव से पूर्व ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया जाना जरूरी है, जिसे सोमवार को कैबिनेट से स्वीकृति मिली। पिछड़ा वर्ग आयोग को सिफारिशें देने के लिए छह माह का समय दिया गया है। आयोग की रिपोर्ट आने के बाद सीटों का आरक्षण तय करने के लिए विभाग को दो महीने का समय चाहिए। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग को निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 35 से 40 चाहिए। इन तीनों प्रक्रियाओं में ही नौ माह से अधिक समय निकल जाएगा, तब तक फरवरी आ जाएगा। फरवरी में विधान सभा चुनाव के लिए मतदान की तिथियां होने की संभावना है। मार्च में मतों की गणना और उसके बाद सरकार का गठन होगा। इस तरह मार्च तक पंचायत चुनाव होने के कोई आसार नहीं बन रहे हैं। नई सरकार के गठन के बाद यदि तत्काल पंचायत चुनाव के लिए मतदान कराए जाएं तो चुनी गई पंचायतों की पहली बैठक कराने में मई-जून आ जाएगा। इस प्रकार पूरे एक साल विलंब से पंचायत चुनाव होगी।

छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में मिली युवती की सिर कटी लाश, 6 टुकड़ों में काटकर बॉक्स में रखा

गोपालगंज/ जीएनएस। छपरा जंक्शन से चलकर गोपालगंज-थावे जंक्शन होते हुए लखनऊ के गोमतीनगर जाने वाली छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में एक युवती की सिर कटी लाश मिलने से रेलवे और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। युवती के शव को बेरहमी से छह टुकड़ों में काटकर एक बॉक्स में भर दिया गया था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि शव का सिर गायब था, जबकि धड़, हाथ और पैर अलग-अलग पॉलिथीन में पैक कर बॉक्स के अंदर रखे गए थे। घटना सामने आने के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। शव लखनऊ जंक्शन पर मिला है। जानकारी के अनुसार, ट्रेन के लखनऊ पहुंचने पर सफाई के दौरान संदिग्ध अवस्था में पड़े बॉक्स से दुर्गंध आने लगी। जब रेलवे कर्मियों ने बॉक्स खोला तो अंदर युवती का क्षत-विक्षत शव देखकर उनके होश उड़ गए। मामले की सूचना तत्काल रेल पुलिस को दी गई। इसके बाद लखनऊ रेल पुलिस ने जांच शुरू करते हुए छपरा रेल पुलिस से संपर्क किया। दोनों राज्यों की रेल पुलिस की संयुक्त टीम गोपालगंज पहुंची और ट्रेन के रूट में पड़ने वाले कई रेलवे स्टेशनों पर गहन जांच-पड़ताल की गई। जांच के दौरान पुलिस ने छपरा, थावे, गोपालगंज सहित कई स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने का प्रयास किया। हालांकि, कई रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे खराब अथवा बंद पाए गए, जिससे जांच में परेशानी आ रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बॉक्स ट्रेन में कहां और किस स्टेशन से रखा गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निगम, मंडलों के नवनियुक्त पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का किया शुभारंभ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अनेकता में एकता ही हमारी ताकत है। हम योग्यता का सम्मान करना जानते है इसीलिए योग्यता के आधार पर सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का उद्धरण दोहराते हुए कहा कि राजनीति और प्रशासन का एकमात्र ध्येय जनकल्याण होना चाहिए। राजनीतिक जीवन में नैतिकता और शुचिता बेहद जरूरी है। हमें स्व. वाजपेयी के आदर्शों पर चल कर देश और प्रदेश की सेवा करनी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में प्रदेश के विभिन्न निगम, मंडल, बोर्ड, आयोग एवं प्राधिकरणों के नवनियुक्त पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रदेश प्रभारी श्री महेंद्र सिंह, वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल तथा अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया।

उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्ट नियोजन करें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निगम मंडलों के नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि सेवा ही हमारा परम धर्म है। हमें परमेश्वर ने जनसेवा का अवसर दिया है इसीलिए सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी प्रशासनिक दक्षता, पूर्ण क्षमता, निष्ठा और सेवा भावना से काम करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप सब सरकार का अभिन्न अंग है। आपके काम से ही सरकार की समाज और नागरिकों में साख बनेगी। इसीलिए पहले अपने काम को अच्छी तरह से समझें, विभागीय नीतियों और नियमों का समुचित अध्ययन करें। अपने उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्ट नियोजन करें और बेहतर तालमेल एवं सामंजस्य से अपने दायित्व का निर्वहन करें।

आय के नये स्रोत सृजित करें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए वित्तीय अनुशासन लाना, फिजूल खर्ची पर अंकुश लगाना और नवाचारों से आय के नए स्रोत सृजित करना जरूरी है। नवनियुक्त पदाधिकारी संस्थान के अधिकारियों के साथ टीम भावना से काम करें और निगम मंडल में अनुशासन के लिये स्व-अनुशासन में रहें और नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में हम सबको नागरिकों की सेवा करते हुए प्रदेश को विकसित और भारत का सबसे बेहतर राज्य बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। निगम, मंडल, बोर्ड और आयोग के कामकाज में पारदर्शिता और दृढ़ता लाकर अपने संस्थान और प्रदेश को आत्मनिर्भर और कार्य कुशल बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का सपना तब तक अधूरा है जब तक हम जरूरतमंदों तक आवश्यक सहायता न पहुंचा दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनता के हित में नतीजें दे। यही हमारा उद्देश्य और यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

तकनीक का इस्तेमाल सुशासन के लिये करें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में तकनीक का इस्तेमाल सुशासन का बड़ा आधार बन चुका है। हमें अपने काम-काज में डिजिटल गवर्नेंस, डाटा आधारित निर्णय, तकनीक संचालित निगरानी और सेवा वितरण की पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ना है। सभी पदाधिकारी अपने-अपने कार्य/अधिकार क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया से जुड़ें और सरकार की उपलब्धियों में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कदाचार पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। इसीलिए अपने संस्थान में किसी भी प्रकार के कदाचार को कतई बर्दाश्त न करें। ऐसे काम और ऐसे लोगों से भी दूरी बनाकर रखें, जिनसे आपकी गरिमा को ठेस पहुंच सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुप्रथाओं के विरूद्ध जनजागरण इन सब विषयों पर आप अपने विभागों के जरिये सक्रिय भूमिका निभाइए। निगम-मंडल-बोर्ड की कार्यप्रणाली का अध्ययन खूब करें। योजनाएं बनाते समय सरकार की नीतियों और संकल्प पत्र का ख्याल रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को विकसित और भारत का सबसे बेहतरीन राज्य बनाना है। वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश प्रगति पथ पर अग्रसर है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे उन्हें प्राप्त अधिकारों का उपयोग जनता की जरूरत को पूरा करने और व्यापक जनहित में ही करें। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा मितव्ययता के लिए दिए गए सभी बिंदुओं का अक्षरशः पालन करने का आह्वान भी किया।

प्रदेश प्रभारी श्री महेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विचार और कर्म से सदैव यह परिलक्षित होता है कि वे मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में देश में प्रथम स्थान पर रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वर्ष 2003 से किए जा रहे प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप हम राजनीति को प्रोफेशन नहीं मिशन मानते हैं। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों के आचरण और व्यवहार में यह भाव अभिव्यक्त होना चाहिए। निगम-मंडलों को आत्मनिर्भर बनाना और शुचिता के साथ उनका संचालन सभी पदाधिकारियो का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियो के कार्यों का निरंतर आंकलन किया जायेगा।

नीट पेपर लीक विवादः कांग्रेस ने शिक्षा मंत्री के खिलाफ दिया विशेषाधिकार हनन नोटिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। नीट पेपर लीक मामले में सरकार को चौतरफा घेर रही कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ संसद में विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर संसद का तिरस्कार कर उसकी गरिमा घटाने का आरोप गलाते हुए उनके खिलाफ सोमवार को विशेषाधिकार हनन का यह नोटिस दिया।

नोटिस में कहा गया है कि प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों ने एनटीए पर संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों को लागू क्यों नहीं किया गया का सवाल पूछा तो शिक्षा मंत्री का जवाब था मैं संसदीय समिति द्वारा उठाई गई गंभीर चेतावनियों पर टिप्पणी नहीं करूंगा। मैं हाई-लेवल कमेटी ऑफ एक्सपर्ट्स राधाकृष्णन समिति के बारे में बात करूंगा। संसदीय स्थायी समिति में विपक्ष के सदस्य भी होते हैं। वे चीजों को एक खास तरीके से लिखते हैं, यह आप भी जानते हैं। इसलिए मैं स्थायी समिति पर कुछ नहीं बोलूंगा।

जयराम ने कहा कि शिक्षा मंत्री की ये टिप्पणियां बेहद आपत्तिजनक हैं जो संसद सदस्यों, संसदीय समितियों और संसद को बदनाम करने की कोशिश है। संसदीय समितियों को मिनी संसद भी कहा जाता है और मंत्री ने जानबूझकर समिति की बहुदलीय प्रकृति के कारण स्थायी समिति की गरिमा और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाया है।

इसलिए राज्यसभा के कार्य संचालन प्रक्रिया के अंतर्गत नियम 187 के तहत दिए प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई शुरू की जाए।

गौरतलब है कि इससे पहले नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुन खरगे ने प्रधान की बर्खास्तगी की भी मांग की थी।

मंदिरों के पुजारियों की वेतन समीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार, कहा- शिकायत होने पर करें अदालत का रुख

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों में पुजारियों, सेवादारों और अन्य कर्मचारियों के वेतन व अन्य लाभों की समीक्षा के लिए न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि वे संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। यदि किसी को कोई शिकायत है, तो वे सीधे कोर्ट का रुख कर सकते हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय से पुजारियों के मामलों में न पड़ने को कहा, क्योंकि वे मंदिरों के पुजारियों और सेवादारों की वास्तविक कमाई से पूरी तरह अवगत नहीं हो सकते हैं।

उपाध्याय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट और अन्य अदालतों के फैसलों का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि पुजारियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए उनके वेतन की समीक्षा जरूरी है।

कोर्ट के कड़े रुख को देखते हुए याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। कोर्ट ने उन्हें कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी विकल्पों का लाभ उठाने की स्वतंत्रता दे दी है।

जयललिता के करीबी नेता सेम्मालाई ने अन्नाद्रमुक से दिया इस्तीफा, बोले, क्या यही एमजीआर-अम्मा की विरासत है?

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु में सबसे बड़ी पार्टियों में गिनी जाने वाली अन्नाद्रमुक अब अंदरूनी कलह की आग में बुरी तरह झुलसती दिखाई दे रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री एस सेम्मालाई ने सोमवार को पार्टी से इस्तीफा देकर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी।

उन्होंने सीधे तौर पर पार्टी नेतृत्व और मौजूदा हालात पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनावों के बाद पार्टी जिस दिशा में जा रही है, उसने उन्हें गहरे मानसिक कष्ट में डाल दिया है।

सेम्मालाई ने अपने इस्तीफे में साफ लिखा कि लाखों कार्यकर्ता आज पार्टी की हालत देखकर दुखी हैं। उन्होंने पूछा कि क्या यही उस आंदोलन की नियति है जिसे एमजी रामचन्द्रन ने खड़ा किया और जे जयललिता ने अपने दम पर संभाला था? उन्होंने आरोप लगाया कि जयललिता के निधन के बाद उन्हें लगातार किनारे किया गया, अवसर रोके गए, लेकिन फिर भी वे अनुशासन में रहकर पार्टी के लिए काम करते रहे।

नेतृत्व की कमजोरी व संगठन पर नियंत्रण खत्म होने की ओर इशारा- इतना ही नहीं, सेम्मालाई ने पार्टी की सार्वजनिक फजीहत पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि अन्नाद्रमुक की अंदरूनी लड़ाई अब इतनी खुलकर सामने आ चुकी है कि मीडिया और जनता तक पार्टी का मजाक उड़ा रही है। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा, कपूर घुल सकता है, लेकिन क्या कोई पार्टी भी यूं घुलकर खत्म हो जानी चाहिए? यह बयान सीधे तौर पर नेतृत्व की कमजोरी और संगठन पर नियंत्रण खत्म होने की ओर इशारा माना जा रहा है।

अम्मा कैंटीन होगी मॉडर्न, क्या-क्या बदलेगा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को राज्य भर में अम्मा उनावगम (अम्मा कैंटीन) को पूरी तरह से नवीनीकरण और आधुनिकीकरण करने का निर्देश दिया। यह कदम गरीबों और आम जनता को सस्ता, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक की और अम्मा कैंटीनों की बुनियादी सुविधाओं को उन्नत करने, आधुनिक रसोई उपकरणों की तुरंत खरीदारी और बिना रुकावट साफ भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ किया कि नवीनीकरण और उपकरण खरीद का खर्च संबंधित निगमों और नगरपालिकाओं के सामान्य कोष से ही वहन किया जाएगा। बात दें इस समय ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के अंतर्गत 383 अम्मा कैंटीनें संचालित हो रही हैं।

अनियंत्रित ट्रक ने 3 वाहनों को रौंदा, 6 की मौत और 8 घायल

खगड़िया/ जीएनएस। मानसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-31 पर सोमवार दोपहर को ठाठा में एक लाइन होटल के समीप एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर ऑटोरिक्शा, उसके बाद पिकअप वैन और सफारी वाहन में टक्कर मार दी।

इस घटना में ऑटोरिक्शा पर सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद खाली ट्रक को छोड़कर चालक भाग निकला। मृतकों में दो महिलाएं, दो बच्चे और दो पुरुष शामिल हैं। इनमें से देर शाम तक दो की पहचान हो पाई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटोरिक्शा खगड़िया से सवारी लेकर गोगरी को जा रही थी। उक्त स्थल पर एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इससे ऑटोरिक्शा के परखच्चे उड़ गए। कई लोग सड़क पर गिर गए।

घटनास्थल पर ही दो महिला और एक बच्चे की मौत हो गई थी। इसके बाद भागने के क्रम में ट्रक ने एक सफारी वाहन और एक पिकअप में भी टक्कर मारी। दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। इससे घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही मानसी थानाध्यक्ष दीपक कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। इन्होंने घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान एक बच्चा और दो पुरुषों की मौत हो गई। मृतकों में परबत्ता के झंझरा की स्वाती कुमारी (9) और चैधा बन्नी के रामू पासवान की पहचान हो पाई है।

यातायात थाना की दारोगा नीतू पटेल ने बताया कि तीन घायलों को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। इनमें मुंगेर के हरिणमार दियारा की अनिता देवी सहित दो अन्य हैं।

अन्य घायलों में भागलपुर के रंजीत पासवान, सुमन देवी, गोगरी की रहमातुन खातून, पसराहा के झंझरा निवासी प्रीतम कुमार, पूर्णिया के दिवाकर उर्फ संतु कुमार शामिल हैं।

यहां बढ़ गई अल्पसंख्यकों की आबादी, ऐसा कोई देश ढूंढ कर दिखा दो; भारत ने डच PM की 'चिंताओं' पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने रविवार को देश में मीडिया की आजादी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों में गिरावट के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। भारत ने जोर देकर कहा है कि यह देश एक लोकतंत्र है, जो अपने सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी की गारंटी देता है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेटेन की ओर से भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कथित गिरावट को लेकर चिंता जताए जाने की खबरों के संबंध में पूछे सवाल के जवाब में ये टिप्पणियां कीं।

जॉर्ज शनिवार शाम को एम्स्टर्डम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड की दो दिवसीय यात्रा के संबंध में मीडिया से बात कर रहे थे। जॉर्ज ने कहा, ''सवाल पूछने वाले की समझ की कमी के कारण हमें इस सवाल का जवाब देना पड़ रहा है। भारत

1.4 अरब लोगों का देश है। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र। उन्होंने कहा कि भारत पांच हजार साल पुरानी सभ्यता का देश है, जहां विविधता फैली हुई है। जॉर्ज ने आरोपों का खंडन करते हुए भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषा की विविधता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत को देखिए, यह कितना खूबसूरत है। दुनिया में कोई दूसरा देश नहीं है, जहां इतने धर्मों का उदय हुआ हो।

हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म। इन सभी का भारत में उदय हुआ और आज भी फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख धर्मों को भारत में आश्रय मिला और यहां उनका प्रसार होता रहा। उन्होंने कहा, भारत शायद उन चंद देशों में से एक है, जहां यहूदी समुदाय को कभी किसी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा। यही भारत की खूबसूरती है। हाल में हुए विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए जॉर्ज ने कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहां शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता परिवर्तन होता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता किए बिना आर्थिक सफलता हासिल की। उन्होंने कहा, हमने गरीबी से निपटने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से गरीबी दूर की।

इंदौर में प्रशासनिक कार्यप्रणाली में अभिनव पहल: अब सोमवार की टीएल बैठक हुई वर्चुअली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनज़र दिए गए निर्देशों के पालन में इंदौर जिला प्रशासन ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली में एक अभिनव पहल की है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने प्रति सोमवार आयोजित होने वाली समय-सीमा पत्रों के निराकरण संबंधी टीएल बैठक को अब वर्चुअली माध्यम से आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में आज सोमवार को पहली बार टीएल बैठक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्थित विभागों के अधिकारियों को छोड़कर अन्य सभी विभागों के अधिकारी वर्चुअली रूप से शामिल हुए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक?टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य भी शामिल रहे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम, समयबद्ध एवं प्रभावी बनाना है, साथ ही अनावश्यक आवागमन को कम कर समय और संसाधनों की बचत सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रशासन लगातार यह प्रयास कर रहा है कि लोगों की अनावश्यक आवाजाही कम हो, लेकिन प्रशासनिक कार्यों पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव भी न पड़े। उन्होंने कहा कि आगे भी केवल अति आवश्यक विषयों पर ही अधिकारियों को भौतिक रूप से बुलाया जाएगा।

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, मिलावटखोरी विरोधी अभियान, फायर सेफ्टी एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। जिन विभागों में प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। बैठक में राजस्व प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे मामलों के समय-सीमा में निराकरण पर जोर देते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि विलंब के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि कुछ सीमांकन प्रकरणों में देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर पेनल्टी लगाई गई है तथा उसकी राशि प्रभावित आवेदकों को प्रदान की जाएगी।

अवैध रूप से पेड़ काटने पर नगर निगम की कार्रवाई, ढाई लाख के करीब स्पॉट फाइन लगाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम उद्यान विभाग ने अवैध रूप से पेड़ काटने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए एक प्रतिष्ठान संचालक पर दो लाख 25 हजार रुपए का स्पॉट फाइन लगाया है। मामला सांवेर रोड स्थित सेक्टर-सी इंडस्ट्रियल एरिया का है, जहां बिना अनुमति तीन इमली प्रजाति के पेड़ों को जड़ से काट दिया गया था।

नगर निगम उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर के निर्देश पर शहर में हरियाली संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक-17 के वार्ड क्रमांक-18 अंतर्गत स्थित गुडविल ट्रैंड्स प्रतिष्ठान के संचालक शाहरुख खान द्वारा बिना अनुमति पेड़ काटे जाने की शिकायत मिलने पर उद्यान विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

निरीक्षण में पाया गया कि तीनों इमली के पेड़ों को पूरी तरह जड़ से काट दिया गया है। इसे पर्यावरण संरक्षण नियमों का उल्लंघन मानते हुए निगम ने संबंधित संचालक पर कुल 2 लाख 25 हजार रुपए का स्पॉट फाइन लगाया।

उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि शहर की हरियाली को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ निगम द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना अनुमति पेड़ काटना दंडनीय अपराध है। उन्होंने नागरिकों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से अपील की कि किसी भी पेड़ की कटाई या छंटाई से पहले नगर निगम से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें तथा वृक्ष संरक्षण में सहयोग दें।

जनजातीय अंचल में 3-D उन्मूलन के लिये बड़वानी पुलिस की पहल

दारू, दहेज और डीजे मुक्त विवाह के लिये चलेगा अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजाति अंचल में पनप रही कुरीतियों के खिलाफ एक अनोखी पहल देखने को मिली, जब बड़वानी में पुलिस अधीक्षक स्वयं विवाह समारोह में पहुँचे। इस अवसर पर उन्होंने 3D अर्थात दारू, दहेज और डीजे जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन का संकल्प दिलाया। यह विवाह केवल दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की मिसाल बन गया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी ने लोगों को यह संदेश दिया कि समाज सुधार केवल कानून से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और जागरूकता से संभव है। समारोह में उपस्थित लोगों ने भी 3ष्ठ मुक्त विवाह का समर्थन करते हुए सादगी और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

पुलिस अधीक्षक बडवानी श्री पद्म विलोचन शुक्ल के नेतृत्व में विगत माह से जिला पुलिस बडवानी द्वारा जिले में विवाह समारोह में दहेज, डीजे एवं दारू का उपयोग नही करने हेतु 3-डी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग की अभिनव पहल से प्रेरित होकर गत 4 मई को ग्राम धवली में पुलिस विभाग व्दारा आयोजित जनसंवाद में ग्राम जुनापानी के श्री रामा नरगावे द्वारा अपने तीनों बच्चो के विवाह समारोह में दहेज, डीजे एवं दारू का उपयोग नही करने का संकल्प लिया था। श्री रामा नरगावे द्वारा 17 मई को अपने पुत्र कृष्णा नरगावे, पुत्री रंजिता नरगावे एवं दिना नरगावे का विवाह समारोह बिना दहेज, डीजे एवं दारू के संपन्न किया गया। श्री रामा नरगावे व्दारा पुलिस अधीक्षक बडवानी श्री पद्म विलोचन शुक्ल को अपने बच्चों के विवाह समारोह में आमंत्रित करने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम जुनापानी विवाह समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने दुल्हा-दुल्हनों को शुभकामना संदेश एवं उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री शुक्ल ने नरगावे दंपति को शॉल-श्रीफल देकर उनकी साहसिक पहल के लिये सम्मानित किया।

विवाह समारोह में सम्मिलित जनजातीय समाज के लोगो ने भी सालों से चली आ रही सभी सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने का संकल्प लिया। भविष्य में बिना दहेज, डीजे एवं दारू के विवाह समारोह सम्पन्न कराने तथा दहेज नही लेने व देने की कुरीति को पूर्ण रूप से बंद करने का संकल्प दिलाया गया।

आयुक्त ने कचरा ट्रांसफर स्टेशन और सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार को शहर की सफाई व्यवस्था, कचरा ट्रांसफर स्टेशन, कम्पोस्ट प्लांट और सी एंड डी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार एवं कार्य क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने आजाद नगर, आईटी पार्क, लालबाग धार रोड और संगम नगर स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही धार रोड स्थित सी एंड डी वेस्ट प्लांट, रीजनल पार्क स्थित डीएमआरएफ सेंटर, ग्रीन वेस्ट कम्पोस्टिंग प्लांट, थर्माकोल प्लांट तथा आईटी पार्क स्थित सीएनजी सेंटर का भी जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कचरे के उचित सेग्रीगेशन, ट्रांसफर स्टेशनों की साफ-सफाई, डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनों की नियमित धुलाई तथा स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ग्रीन वेस्ट कम्पोस्टिंग प्लांट को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जैविक कचरे के बेहतर उपयोग और कम्पोस्ट निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए। रीजनल पार्क प्रभारी को पार्क क्षेत्र की सफाई व्यवस्था में और सुधार करने के निर्देश भी दिए गए।

आयुक्त ने धार रोड स्थित सी एंड डी वेस्ट प्लांट की कार्य क्षमता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहर में वेस्ट मैनेजमेंट व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके।

किसानों को खरीफ फसलों की बुआई संबंधी नवीन वैज्ञानिक तकनीकी जानकारी प्रदान करेगा कृषि रथ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष (कृषक कल्याण वर्ष) के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार कृषि एवं संबंधित विभागों द्वारा कृषि के माध्यम से किसानों तक नवीन वैज्ञानिक तकनीकों और कृषि संबंधी जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य इस कृषि रथ का शुभारंभ किया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक ने बताया कि किसानों को खरीफ फसलों की बुआई संबंधी जानकारी पहुँचाने के लिए जिले की विभिन्न विकासखण्डों में कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है। इसी संबंध में इस तकनीकी रथ के माध्यम से कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य संबंधित विभागों के विषय विशेषज्ञ एवं कृषि वैज्ञानिक किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर कृषि और संबंधित क्षेत्रों की उन्नत तकनीकों की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के उद्देश्य से किसानों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण, खरीफ सीजन की नवीन तकनीक, उन्नत किस्में, आधुनिक कृषि यंत्र, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, फल एवं सब्जी उत्पादन, फ्लोरीकल्चर, मत्स्य पालन तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु नई तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

महिला सुरक्षा के लिए इंदौर पुलिस का विशेष अभियान, रीजनल पार्क से दो मनचले पकड़े गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस द्वारा शहर में मनचलों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना राजेंद्र नगर पुलिस ने ÷सीक्रेट मिडनाइट÷ स्टिंग ऑपरेशन चलाकर रीजनल पार्क क्षेत्र से दो मनचलों को पकड़कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-1 नरेंद्र रावत, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित केरकेट्टा एवं सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर निधि सक्सेना के मार्गदर्शन में थाना प्रभारियों को क्षेत्र में छेड़छाड़ और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में थाना राजेंद्र नगर प्रभारी द्वारा महिला पुलिसकर्मियों सहित एक विशेष टीम गठित कर रीजनल पार्क क्षेत्र में स्टिंग ऑपरेशन चलाया गया। कार्रवाई के दौरान महिला पुलिसकर्मी सादा वर्दी में पार्क क्षेत्र में भ्रमण कर रही थीं। इसी दौरान कुछ युवकों द्वारा सीटी बजाकर और अभद्र टिप्पणियां कर छेड़छाड़ करने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो मनचलों को मौके से पकड़ लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को शहर में सुरक्षित एवं सभ्य वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना किसी भय के सार्वजनिक स्थानों पर आ-जा सकें।

इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिला सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह लगातार अभियान जारी रहेगा।

आज से आरंभ हुआ जन भागीदारी- सबसे दूर, सबसे पहले अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 18 से 25 मई तक राष्ट्रव्यापी सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले÷ अभियान संचालित किया जा रहा है। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने विभाग के सभी मैदानी अधिकारियों को सफलतापूर्वक शिविर लगाने एवं लक्षित समूह को लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त सह संचालक जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान जनजातीय समुदाय के हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों की सभी जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें योजनाओं से लाभान्वित भी किया जाएगा। अभियान के तहत आयोजित शिविरों में 18 विभागों की कुल 25 सेवाओं का लाभ जनजातीय वर्ग के ग्रामीणों को उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र हितग्राही अनुसार शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। अभियान को सफल बनाने के लिये जिले के कलेक्टर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शिविरों के आयोजन के लिये अपर संचालक श्रीमती रीता सिंह को राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी बनाया गया है। जबकि जिला स्तर पर संबंधित जिले के सहायक आयुक्त/जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को नोडल अधिकारी बनाया गया है। मध्यप्रदेश में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कुल 267 विकासखंडों के 11 हजार 377 ग्राम लाभान्वित होंगे। वहीं पीएम जनमन योजना के तहत कुल 122 विकासखंडों के 5 हजार 113 ग्राम लाभान्वित होंगे।

इंदौर नगर निगम सहित नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी

इच्छुक नागरिक 25 मई तक आवेदन कर अपने नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार इंदौर नगर निगम सहित नगरीय निकायों एवं पंचायतों के लिये फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी है। तय कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक नागरिक 25 मई 2026 तक निर्धारित केन्द्रों पर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने संबंधी आवेदन दे सकते हैं। साथ ही इस दौरान मतदाता सूची से नाम हटवाने एवं प्रविष्टि में संशोधन के संबंध में भी आवेदन दिए जा सकते हैं। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई स्टेडिंग कमेटी की बैठक में दी गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, जनपद अध्यक्ष श्री कान्हा पटेल, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार, संयुक्त कलेक्टर एवं सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत श्रीवास्तव भी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि जिले के नगरीय निकायों एवं पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित नागरिक निर्धारित अवधि में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन अथवा विलोपन संबंधी दावे-आपत्तियां प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बैठक में आयोग के निर्देशानुसार सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि जिले में पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इंदौर नगर निगम तथा नगर परिषद क्षेत्र में दावे-आपत्ति लेने के लिए प्रत्येक वार्ड के एक सुलभ मतदान केन्द्र में व्यवस्था की गई है। इसी तरह जिले के सभी ग्राम पंचायतों में भी इस तरह की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि वे संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुँचकर मतदाता सूची का अवलोकन करें।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जारी की थानों की अप्रैल माह की रैंकिंग, बाणगंगा थाना प्रथम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बेहतर पुलिसिंग, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुरू की गई थानों की मूल्यांकन प्रणाली के तहत अप्रैल माह की रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस रैंकिंग में थाना बाणगंगा ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि थाना परदेशीपुरा सबसे अंतिम स्थान पर रहा।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में कमिश्नरेट के सभी थानों के कार्यों का मासिक मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों के आधार पर किया जा रहा है। संबंधित जोन के डीसीपी की अध्यक्षता में गठित समितियों द्वारा थानों के कार्य निष्पादन, जनसंतुष्टि, अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निराकरण तथा आमजन के हित में किए गए नवाचारों सहित विभिन्न पैरामीटर्स पर समीक्षा की गई।

अप्रैल माह की समीक्षा में जोन-03 के थाना बाणगंगा ने बेहतर परफॉर्मेंस के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जोन-04 के थाना चंदन नगर को द्वितीय तथा थाना भंवरकुआं को तृतीय स्थान मिला। वहीं निर्धारित मापदंडों पर औसत प्रदर्शन के चलते जोन-02 का थाना परदेशीपुरा सबसे अंतिम स्थान पर रहा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बेहतर प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों एवं स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि कमजोर प्रदर्शन वाले थानों के स्टाफ को कार्य में सुधार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। लापरवाही पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने कहा है कि पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनहितैषी बनाने के लिए इस प्रकार की मूल्यांकन प्रणाली आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

इंदौर में कृषि, फार्मा और औद्योगिक उत्पादों के निर्यात को मिलेगा नया विस्तार-रोड़ मेप तैयार

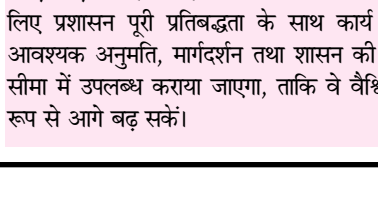

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड, जिला स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति एवं निवेश प्रोत्साहन केंद्र की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में निर्यात गतिविधियों को बढ़ावा देने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सेज कमिश्नर श्री अभिषेक शर्मा, एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्योगपति, निवेशक एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इंदौर की जिला निर्यात संवर्धन समिति की यह बैठक भारत सरकार के विदेश व्यापार महानिदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा डिस्ट्रिक्ट्स एज़ एक्सपोर्ट हब्स पहल के अंतर्गत एमएसएमई एवं एमपीआईडीसी के सहयोग से आयोजित की गई। इंदौर मध्य प्रदेश के उन पाँच जिलों – भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और नर्मदापुरम में शामिल है, जिन्हें ष्ठश्वा॥ राष्ट्रीय अभियान के Phase I में चुना गया है। यह अभियान जून 2026 से देशभर के 120 प्राथमिकता जिलों में लागू होगा। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले से फार्मा उत्पाद, प्याज, सोयाबीन सहित विभिन्न कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों के निर्यात की व्यापक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने के लिए आवश्यक अधोसंरचना, प्रक्रियागत सहायता तथा शासन स्तर पर सभी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बैठक में कहा कि इंदौर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक केंद्र है और यहां निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उद्यमियों और निर्यातकों को बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराकर जिले को निर्यात हब के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले में निर्यात गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। निर्यातकों को आवश्यक अनुमति, मार्गदर्शन तथा शासन की योजनाओं का लाभ समय-सीमा में उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक रूप से आगे बढ़ सकें।

मानसून पूर्व तैयारियों की कलेक्टर शिवम वर्मा ने की समीक्षा

अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को दिए आवश्यक निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए मानसून पूर्व तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम, पुलिस, होमगार्ड, एसडीआरएफ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य भी शामिल रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मानसून पूर्व तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी विभाग तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री वर्मा ने नगर निगम को निर्देशित किया कि सभी नालों, चैनलों, तालाबों के आसपास तथा जलभराव वाले स्थलों की साफ-सफाई समय रहते पूरी कर ली जाए। साथ ही स्टॉर्म वॉटर लाइन एवं ड्रेनेज सिस्टम की सफाई भी प्राथमिकता से की जाए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिया विहीन सड़कों एवं जलभराव संभावित स्थलों पर चेतावनी संकेतक लगाए जाएं तथा वहां कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। बैठक में एसडीआरएफ एवं होमगार्ड दलों को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए पूर्ण संसाधनों के साथ तैयार रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही वालंटियर्स की ट्रेनिंग, मॉक ड्रिल एवं रेस्क्यू अभ्यास नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष चिन्हित किए गए जलभराव वाले स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यकता अनुसार नए संवेदनशील स्थलों को भी चिन्हित किया जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में गठित विशेष टीमें भी इस वर्ष सक्रिय रहेंगी।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि वर्षा पूर्व सभी आवश्यक पैचवर्क, डामरीकरण एवं सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि बारिश के दौरान गड्ढों एवं जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। इन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फॉलोअप भी किया जाएगा।

बैठक में राहत स्थलों की समीक्षा भी की गई। निर्देश दिए गए कि आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविर तत्काल प्रारंभ किए जा सकें, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा पिकनिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, पुल-पुलियों पर संकेतक लगाने, बाढ़ की स्थिति में सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने, खदान एवं ईंट भट्ठों में बैरिकेडिंग कराने तथा मानसून के दौरान विद्युत आपूर्ति सतत बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पशुपालन विभाग को शिविर लगाकर पशुओं के टीकाकरण अभियान संचालित करने के निर्देश भी दिए गए।

पेपर लीक से बर्बाद हो रहा युवाओं का भविष्य, शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा – श्रीमती बंसल

पेपर लीक माफियाओं के सामने सरेंडर कर चुकी है सरकार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस नेत्री श्रीमती बंसल ने देश में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हृश्वश्वज्ञ परीक्षा घोटाले ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। करोड़ों छात्रों और उनके परिवारों के सपनों के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है, लेकिन शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने के बजाय लगातार NTA का बचाव कर रहे हैं। श्रीमती बंसल ने कहा कि जब लाखों छात्र दिन-रात मेहनत करके परीक्षा देते हैं और दूसरी तरफ पेपर लीक माफिया लाखों-करोड़ों रुपये लेकर प्रश्नपत्र बेचते हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ सीधा विश्वासघात है। इससे पहले भी कई विवादों में NTA और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों को हटाने का केवल दिखावा किया गया, लेकिन बाद में उन्हें फिर महत्वपूर्ण पदों पर बैठा दिया गया। इससे साफ है कि सरकार जवाबदेही तय करने के बजाय दोषियों को बचाने में लगी हुई है।

श्रीमती बंसल ने कहा कि NEET परीक्षा में इस बार 22 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया, लेकिन परीक्षा के तुरंत बाद पेपर लीक, सॉल्वर गैंग, ग्रेस मार्क्स में गड़बड़ी और करोड़ों रुपये के लेन-देन जैसी गंभीर बातें सामने आई। इससे पहले UGC-NET परीक्षा रद्द करनी पड़ी, स्सष्ट और कई राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक के कारण विवादों में रहीं। पिछले कुछ वर्षों में देशभर में दर्जनों बड़ी परीक्षाएं पेपर लीक की भेंट चढ़ चुकी हैं, जिससे करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि सबसे दुखद बात यह है कि हर बार सरकार जांच का दिखावा करती है, कुछ छोटे लोगों की गिरफ्तारी होती है, लेकिन बड़े नेटवर्क और जिम्मेदार लोगों तक कार्रवाई कभी नहीं पहुंचती। मेहनती और ईमानदार छात्र अवसाद, निराशा और बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं, जबकि भ्रष्ट तंत्र लगातार मजबूत होता जा रहा है।

श्रीमती बंसल ने कहा कि भाजपा सरकार 2014 में भ्रष्टाचार खत्म करने, व्यवस्था सुधारने और भारत को विश्व शक्ति बनाने के वादों के साथ सत्ता में आई थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि सिर्फ पांच साल दीजिए, देश की तस्वीर बदल देंगे, लेकिन 12 साल बाद देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। आज बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, महंगाई से मध्यम वर्ग टूट रहा है, रुपया कमजोर हो रहा है, शेयर बाजार में अस्थिरता है और आम आदमी पर टैक्स तथा आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। सरकार जनता से त्याग की बात करती है, विदेश यात्रा और खर्च कम करने की सलाह देती है, लेकिन दूसरी तरफ बड़े उद्योगपतियों और सत्ता से जुड़े लोगों को हर तरह की छूट और संरक्षण मिलता दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कभी सस्ते तेल और राष्ट्रीय हितों की बात करने वाली सरकार आज अंतरराष्ट्रीय दबावों के सामने कमजोर दिखाई देती है। चीन आज भारत से कई गुना आगे निकल चुका है क्योंकि वहां सरकार ने शिक्षा, तकनीक, उद्योग और दीर्घकालिक योजनाओं पर ध्यान दिया, जबकि यहां असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए धर्म, भावनाओं और मीडिया नैरेटिव का सहारा लिया जा रहा है।

श्रीमती बंसल ने कहा कि देश का युवा अब समझ चुका है कि केवल भाषणों और प्रचार से देश मजबूत नहीं बनता। मजबूत देश वही बनता है जहां शिक्षा व्यवस्था निष्पक्ष हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, युवाओं को रोजगार मिले और सरकार जवाबदेह हो। आज भारत का मेहनती छात्र खुद को असुरक्षित और उपेक्षित महसूस कर रहा है। अगर परीक्षाएं ही सुरक्षित नहीं रहेंगी तो मेहनत, प्रतिभा और मेरिट का क्या महत्व रह जाएगा?

श्रीमती बंसल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि शिक्षा मंत्री तत्काल इस्तीफा दें, हृश्वश्वज्ञ सहित सभी प्रमुख पेपर लीक मामलों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए, पेपर लीक माफियाओं और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो तथा प्रभावित छात्रों को न्याय और सुरक्षा दी जाए। देश के युवाओं के भविष्य को नेताओं और अधिकारियों के भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता।

नाहरगढ़ में आज सजेगा क्रिकेट का सबसे बड़ा मंच, संस्कृति कप 2026 के फाइनल पर टिकीं निगाहें

डेढ़ लाख की इनामी जंग आज, गुजरात-मुंबई सहित कई राज्यों के नामचीन खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के नाहरगढ़ में आज क्रिकेट का रोमांच अपने चरम पर नजर आएगा,रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट संस्कृति कप 2026 अपने अंतिम और सबसे रोमांचक पड़ाव पर पहुंच चुका है। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विशाल खेल मैदान पर आज भव्य फाइनल मुकाबला खेला जाएगा, जहां डेढ़ लाख रुपए की आकर्षक इनामी राशि के लिए दो दमदार टीमें आमने-सामने होंगी।

पूरे क्षेत्र सहित आसपास के जिलों और राज्यों के खेल प्रेमियों की निगाहें अब इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं।इस बार का फाइनल मुकाबला बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि टूर्नामेंट में गुजरात, मुंबई, राजस्थान, बैंगलोर और मध्यप्रदेश सहित कई बड़े शहरों और राज्यों के नामचीन क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। क्रिकेट प्रेमियों को बड़े-बड़े शॉट्स, रोमांचक मुकाबले और हाई-वोल्टेज क्रिकेट का भरपूर रोमांच देखने को मिलेगा। दूधिया रोशनी में सजे मैदान पर चौकों-छक्कों की गूंज और दर्शकों का उत्साह इस मुकाबले को यादगार बनाने वाला है।पिछले कई दिनों से चल रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 16 टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। रोमांच से भरपूर मुकाबलों के बाद अब विजेता बनने की अंतिम जंग बाकी है।

स्थानीय लोगों के लिए संस्कृति कप अब केवल क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि किसी बड़े उत्सव से कम नहीं माना जाता। जैसे ही टूर्नामेंट शुरू होता है, पूरा नाहरगढ़ क्रिकेट के रंग में रंग जाता है,इस भव्य आयोजन के पीछे समाजसेवी ओम गिरि गोस्वामी और गोस्वामी परिवार की सबसे अहम भूमिका रही है। पिछले 16 वर्षों से लगातार उनके नेतृत्व में इस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर खेल आयोजन कर युवाओं को मंच देना अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। ओम गिरि गोस्वामी वर्षों से युवाओं को खेलों से जोड़ने, नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों से कई खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है।आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों, दर्शकों, सुरक्षा और बैठने की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। आज नाहरगढ़ का खेल मैदान तालियों, उत्साह और क्रिकेट के रोमांच से गूंजता नजर आएगा।

राजस्व रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और नियमित सुनवाई पर सख्ती

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल ने सोमवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व विभाग की विभागीय समीक्षा की। बैठक में राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन, स्कैनिंग सेंटर स्थापना, राजस्व न्यायालयों के नियमित संचालन एवं स्वामित्व योजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव पोरवाल ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर स्कैनिंग सेंटर स्थापित किए जाएं, जहां कम से कम पांच कंप्यूटर, स्कैनर एवं आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने राजस्व अभिलेखों की स्कैनिंग के लिए दस्तावेजों का चयन, पटवारियों का रोस्टर तैयार करने तथा दस्तावेजों की आवक-जावक के लिए पृथक पंजी संधारित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में स्कैनिंग सेंटरों पर दस्तावेजों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही राजस्व न्यायालयों में नियमित सुनवाई एवं समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रमुख सचिव ने ग्रामों में आबादी भूमि की उपलब्धता एवं चिन्हांकन तथा स्वामित्व योजना के तहत पट्टाधारियों को पट्टों की रजिस्ट्री कराने की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

नीमच एनआईसी कक्ष में आयोजित इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, एडीएम बी.एस. कलेश एवं डिप्टी कलेक्टर चंद्रसिंह धार्वे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मालवा सेन समाज के रत्न श्री नंदकिशोर जी गेहलोद...

96 बसंत की कर्म-यात्रा- कुंडला वाले बासाहब- शिवम चुकनी मनासा

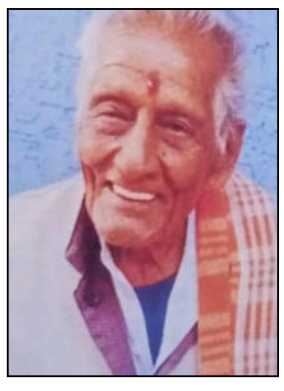

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेन समाज संगठन के सबसे वरिष्ठ समाजसेवी, 96 वर्षीय कर्मयोगी श्री नंदकिशोर जी गेहलोद कुंडला वाले बासाहब की जीवन-गाथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। सन् 1930 में कुंडला गाँव में जन्मे बाबूजी आज भी उसी ऊर्जा से समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

बचपन और संघर्ष- चार छोटे भाई, दो बहिनों की जिम्मेदारी के बीच कुकडेश्वर-कुंडला-रामपुरा की पगडंडियों पर चलकर सातवीं तक पढ़ाई करना उस दौर में बड़ी उपलब्धि थी। घर चलाने को हलवाई की कढ़ाई थामी तो समाज में मिठास घोली। खानखेड़ी में सिलाई मशीन से कपड़ा कम, बिखरा समाज ज़्यादा सिला। उनका सूत्र रहा – टूटो मत, जुड़ो और जोड़ो।

संगठन सेवा- सन् 1987 में कुकडेश्वर के सहस्त्र मुक्तेश्वर मंदिर प्रांगण में स्व. भंवरलाल शास्त्री जी के सानिध्य में श्री मांगीलाल राठौर जी द्वारा दावेदारी वापस लेने पर श्री गेहलोद निर्विरोध प्रथम तहसील अध्यक्ष बने। उन्होंने तहसील को सात भागों में विकेन्द्रीयकरण कर संगठन को गाँव-गाँव पहुँचाया।

ऐतिहासिक कार्य 1991 में मनासा में 23 बेटियों का सामूहिक विवाह संपन्न कराकर समाज में मिसाल कायम की। भादवा माता सेन समाज धर्मशाला के निर्माण में उनका योगदान उल्लेखनीय है। 17 अक्टूबर 1976 को श्री मगनीबाई एवं भाई बालाराम, कंजार्डा के कर-कमलों से हुए शिलान्यास में उन्होंने ससुर के सानिध्य में सबसे ऊँची बोली लगाई थी।

धर्म-प्रचार- गायत्री शक्तिपीठ से जुड़े निष्ठावान साधक के रूप में उन्होंने 2011 में असम, अरुणाचल प्रदेश में महीनेभर तक धर्म-प्रचार किया। आज भी एक रहो, नेक रहो, प्रचारक बनो का संदेश देते हैं।

राजनीतिक जीवन- मनासा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सदस्य एवं कुंडला सहकारी समिति उपाध्यक्ष रहे। उनका मानना है – पद दो दिन का है, पर सेवा सात पीढ़ी का सौदा है।

सेवा की विरासत- उनके सुपुत्र श्री दिनेश जी गेहलोद कुंडला-खानखेड़ी में तथा श्री अशोक जी गेहलोद 30 वर्षों से मज़ेजी नर्सिंग होम, मनासा में चिकित्सा सेवा दे रहे हैं। तीसरी पीढ़ी में पौत्र श्री प्रशांत गेहलोद जिला युवा सेन समाज संगठन में जिला सचिव एवं श्री ज्ञानेंद्र गेहलोद ब्लॉक- कर रहे हैं।

नीमच, मंदसौर, रतलाम व राजस्थान तक उनकी ख्याति कुंडला वाले बासाहब के रूप में है। 96वें वर्ष में भी अखबार व सोशल मीडिया में समाज की खबरें पढ़ते हैं। उनका प्रिय सूत्र-वाक्य है – संगठन सभी एक समान हैं, जैसे माला में मोती।

समाजजनों का कहना है कि हलवाई की कढ़ाई से संगठन के अध्यक्ष तक का सफर तय करने वाले बाबूजी ने सिद्ध किया कि उम्र से नहीं, कर्म से बड़े बना जाता है। उपरोक्त जानकारी जिला सचिव शिवम सेन चुकनी द्वारा दी गई।

बड़े पोस्ट ऑफिस में अफीम को पार्सल से कनाडा भेजने आया युवक, पूछताछ में भागा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ की तस्करी में आरोपी नए-नए पैतरे आजमा रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को एक युवक इंटरनेशनल पार्सल बुक कराने बड़े पोस्ट ऑफिस पहुंचा। यहां पार्सल से वह मादक पदार्थ अफीम को कनाडा देश भेजने वाला था। संदिग्ध दिखाई देने व पूछताछ करने पर आरोपी डाक विभाग से भाग गया। बाद में पोस्ट ऑफिस कर्मचारियों ने इसकी सूचना केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो को दी। चूंकि समीप ही सीएनबी का कार्यालय है, ऐसे में थोड़ी देर में नारकोटिक्स का अमला डाक विभाग पहुंचा व आगे की कार्रवाई कर व पंचनामा बनाया तथा पार्सल को जब्त किया है। बताया गया है कि जब्त अफीम की मात्रा 455 ग्राम निकली है।

मिली जानकारी के अनुसार अफीम गोदाम रोड पर ही बड़े पोस्ट ऑफिस का कार्यालय है। यहां सोमवार अपरान्ह करीब 4 बजे के आसपास एक 24-25 वर्षीय युवक एक पार्सल लेकर पहुंचा। पार्सल को उसने अच्छे से कवर कर पैक किया था। पार्सल कनाडा देश में भेजा जाना था और स्थानीय पता नीमच का होना बताया गया है। पार्सल का वजन डाक कर्मचारियों ने किया तो वह दो किलो था। पार्सल में चॉकलेट व अन्य सामग्री भी थी। बड़े पोस्ट ऑफिस कार्यालय के पोस्ट मास्टर श्रीमती ज्योति चपरोत ने मामले में जानकारी देते हुए बताया है कि सामान्यतः ही हमारे द्वारा इंटरनेशनल पार्सल बुकिंग में जांच-पड़ताल की जाती है। युवक जब पार्सल बुक कराने आया था, तब हमने उससे पार्सल में क्या होने आदि के बारे में पूछताछ की। इस दौरान वह पार्सल छोड़कर भाग गया। श्रीमती चपरोत ने बताया कि चूंकि हमारे पास नारकोटिक्स विभाग के नंबर रहते हैं, इसके चलते संदिग्ध होने पर उन्हें सूचना दी। नारकोटिक्स से अधिकारी आए और कार्रवाई कर पार्सल ले गए हैं। श्रीमती चपरोत ने बताया कि पूरे पार्सल का पैकिंग सहित वजन 2 किलो के आसपास था। उधर, नारकोटिक्स अमले ने बड़े पोस्ट ऑफिस में ही पंचनामा बनाकर पार्सल जब्त कर लिया है। बताते हैं कि नारकोटिक्स ने जब्त पार्सल से अफीम की मात्रा आंकी है, जिसमें 455 ग्राम अफीम होने की जानकारी सामने आई है। गौरतलब है कि बड़े पोस्ट ऑफिस में सीसीटीवी केमरे भी लगे हैं, जिसमें आरोपी युवक बुकिंग काउंटर पर दिखाई दिया है। इस आधार पर नारकोटिक्स विभाग ने आरोपी युवक की तलाश शुरू की है।

जिला प्रशासन नीमच ने दिया ईंधन बचत का संदेश

कलेक्टर सहित सभी जिला अधिकारी एक ही बस से रात्रि चौपाल के लिए रवाना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पेट्रोल-डीजल की बचत के किए गए आह्वान को साकार करते हुए जिला प्रशासन नीमच ने एक अनुकरणीय पहल की है।

सोमवार को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के नेतृत्व में जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी एक ही यात्री बस में सवार होकर ग्राम दलपतपुरा, तहसील जीरन में आयोजित रात्रि चौपाल के लिए नीमच से रवाना हुए। ग्राम दलपतपुरा की रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से रूबरू होने के बाद कलेक्टर श्री चंद्रा एवं सभीजिला अधिकारी इसी एक ही यात्री वाहन से वापस जिला मुख्यालय नीमच लौटेंगे।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने बताया कि शासन के ईंधन संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने एवं स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गयाहै। अलग-अलग वाहनों के स्थान पर सामूहिक रूप से एक बस में यात्रा कर पेट्रोल-डीजल की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया गया है।

इस पहल से न केवल शासकीय व्यय में कमी आएगी बल्कि आम नागरिकों को भी ईंधन बचाने हेतु प्रेरणा मिलेगी। जिला प्रशासन की यह पहल प्रधानमंत्री जी के ऊर्जा संरक्षण-राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूती प्रदान करती है।

रात्रि चौपाल में कलेक्टर एवं जिला अधिकारी ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण करेंगे।

प्रारंभ में कलेक्ट्रेट नीमच से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने यात्री बस को हरी झंडी दिखाकर अधिकारियों के दल रात्रि चौपाल दलपतपुर के लिए रवाना किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव वन मंडल अधिकारी श्री एसके अटोदे, एडीएम श्री बीएस कलेश भी जिलाधिकारियों के साथ एक ही यात्री बस से ग्राम दलपतपुरा की रात्रि चौपाल के लिए रवाना हुए।

शामगढ़ में जबरन कार में बिठाने का वीडियो वायरल हुआ, पीड़ित निकला कोतवाली का फरार स्थाई वारंटी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस ने नौ एवं 11 तथा 15 वर्ष के तीन प्रकरण में फरार एक अस्थाई वारंटी को पकड़ा है। मामले में सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर से आरोपी का पता लगाने में सफलता मिली है।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2011 एवं 2013 तथा 2017 के प्रकरण में फरार आरोपी राकेश पिता बालूराम राठौर निवासी कालाखेत बालागंज मंदसौर निवासी हाल मुकाम लक्ष्मण कॉलोनी शामगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। घटना में पता चला कि शामगढ़ में एक व्यक्ति को जबरदस्ती पकड़ने की सूचना मिली थी। इसका सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ। इस पर पीड़ित का नाम राकेश पिता बालूराम राठौर का नाम होने की जानकारी मिली। इस पर शामगढ़ पुलिस ने अन्य जानकारी प्राप्त की। कोतवाली से रिकॉर्ड चेक किया तो मालूम हुआ है कि वह स्थाई वारंटी है व तीन प्रकरणों में फरार चल रहा है। इस पर उसे अभिरक्षा में लिया गया। कोतवाली पुलिस ने शामगढ़ थाना जाकर उसे गिरफ्तार कर लिया, जिसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जैविक खाद के ढोल पीटने से खेती नहीं सुधरेगी, गुणवत्ता की गारंटी जरूरी-अशोक कुमठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, लेकिन केवल नारों और प्रचार अभियानों से खेती में सुधार संभव नहीं है। जब तक जैविक खादों की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं होगी और किसानों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित उत्पाद उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे, तब तक जैविक खेती के नाम पर किसानों को भ्रमित करने की स्थिति बनी रहेगी। यह बात एफएआई नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ ने रासायनिक खाद का विकल्प जैविक खाद विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश में रासायनिक खादों के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश की खाद्य सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने में रासायनिक खादों की अहम भूमिका रही है। आज भारत जिस स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है और विदेशों तक अनाज निर्यात कर पा रहा है, उसमें यूरिया, डीएपी, एनपीके, सुपर फास्फेट एवं पोटाश जैसे उर्वरकों का महत्वपूर्ण योगदान है। कुमठ ने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 100 लाख टन डीएपी तथा 400 लाख टन यूरिया का उपयोग खेती में किया जाता है। इतनी बड़ी मात्रा में उपयोग होने वाले रासायनिक खादों को एकदम बंद कर पूरी तरह जैविक खेती अपनाने की बात व्यवहारिक नहीं कही जा सकती। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादन भी चाहिए और मिट्टी की उर्वरता भी बचानी है, इसलिए संतुलित और वैज्ञानिक खेती की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि रासायनिक खादों की गुणवत्ता खाद नियंत्रण आदेश 1985 के तहत तय मानकों से नियंत्रित होती है। फैक्ट्री स्तर पर खाद की गुणवत्ता की जांच की जाती है और उसके बाद ही बाजार में विक्रय की अनुमति मिलती है। इतना ही नहीं, बिक्री के दौरान भी खाद के नमूने लेकर प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराया जाता है। यदि खाद मानक स्तर से कम पाई जाती है तो आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 8/7 के तहत एफआईआर दर्ज होने के साथ जेल तक की कार्रवाई हो सकती है। इसके विपरीत जैविक खादों के क्षेत्र में कोई प्रभावी नियंत्रण व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि आज कई कंपनियां आकर्षक पैकिंग और बड़े-बड़े दावों के साथ भूमि सुधारक, जैविक डीएपी एवं अन्य नामों से उत्पाद बाजार में बेच रही हैं, लेकिन उनमें आवश्यक पोषक तत्व कितनी मात्रा में हैं और उनकी वास्तविक गुणवत्ता क्या है, इसका कोई प्रमाण नहीं होता। कुमठ ने कहा कि बिना प्रमाणित जैविक खादों के भरोसे खेती करना किसानों के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है।

यदि फसल को पर्याप्त नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश नहीं मिलेगा तो उत्पादन प्रभावित होगा और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि जैविक खादों की गुणवत्ता की गारंटी तय की जाए और उनके लिए भी स्पष्ट नियम बनाए जाएं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सरकार किसानों को राहत देने के लिए भारी सब्सिडी दे रही है। यूरिया की वास्तविक लागत लगभग 4 हजार रुपए प्रति बैग तक पहुंच रही है, लेकिन किसानों को यह मात्र करीब 270 रुपए प्रति बैग में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए सरकार को करोड़ों रुपए की सब्सिडी देनी पड़ती है। कुमठ ने कहा कि हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया का आयात 950 डॉलर प्रति टन की दर से किया गया है, जो पहले की तुलना में काफी महंगा है। इसके बावजूद किसानों को कम दर पर खाद उपलब्ध कराई जा रही है। हालांकि असंतुलित उपयोग के कारण सब्सिडी का बड़ा हिस्सा व्यर्थ भी जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रासायनिक खादों का उपयोग पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है, लेकिन वैज्ञानिक तरीके से इसका उपयोग कम जरूर किया जा सकता है। इसके लिए किसानों को संतुलित खाद उपयोग, सॉयल हेल्थ कार्ड तथा जैविक विकल्पों की सही जानकारी देना जरूरी है। कुमठ ने कहा कि जैविक खेती के लिए प्रति एकड़ 15 से 20 ट्रॉली गोबर खाद की आवश्यकता बताई जाती है, लेकिन अधिकांश किसानों के पास इतनी मात्रा में गोबर खाद उपलब्ध ही नहीं है।

ऐसे में किसान जैविक खेती के नाम पर आखिर खेत में क्या डालें, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यूरिया और डीएपी के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उत्पादन शुरू किया है। इसी तरह प्रमाणित जैविक खादों का भी बड़े स्तर पर उत्पादन होना चाहिए और खेतों में परीक्षण के बाद किसानों के विश्वास के साथ बाजार में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कुमठ ने सुझाव दिया कि डीएपी के महंगे आयात को कम करने के लिए देश में निर्मित सुपर फास्फेट खाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि देशभर में इसके करीब 50 संयंत्र संचालित हैं, जो किसानों की मांग पूरी करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि खेती को टिकाऊ और सुरक्षित बनाने के लिए सॉयल हेल्थ कार्ड को अनिवार्य करना होगा। साथ ही लैब टू लैंड योजना को निरंतर जारी रखना जरूरी है, ताकि वैज्ञानिक तकनीक और शोध सीधे किसानों तक पहुंच सके। कार्यशाला में किसानों और कृषि विशेषज्ञों ने भी जैविक एवं रासायनिक खेती के संतुलित उपयोग पर अपने विचार रखे। अंत में किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

सभी क्षीरधारा ग्रामों में स्व सहायता समूहों को पशुपालन गतिविधियों से जोड़े-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सभी 82 क्षीरधारा ग्रामों में एक-एक स्व सहायता समूहों का गठन कर इन समूहों के सदस्यों को उन्नत पशुपालन गतिविधियों से जोड़े। पशुओं की समुचित देखभाल, पशु प्रबंधन पर पशुपालकों की जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत गठित अंर्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक में पशुपालन गतिविधियों की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार सहित समिति के सदस्य, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा, कि क्षीर धारा ग्राम योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन बढ़ाना है। इसके लिए पशुओं में नस्ल सुधार, उन्नत चारा विकास, पशुओं का समुचित प्रबंधन, पशुशेड का निर्माण आदि बिंदुओं पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है। सभी विभाग समन्वित प्रयास कर उन्नत पशुपालन को बढावा देने का कार्य करें। कलेक्टर ने चारा विकास के लिए आंकलन कर पशुपालकों को मल्टीकट मल्टी इयर चारा बीज कीट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

पशुपालन विभाग की विभागीय गतिविधियों की समीक्षा में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सभी गांवों में पशुपालकों के के.सी.सी.प्रकरण बनाने के लिए शिविरों का आयोजन किया जाए। कोई भी पशुपालक के.सी.सी.के लाभ से वंचित ना रहे। कलेक्टर ने एक माह में एक हजार नवीन पशुपालकों को नवीन के.सी.सी.प्रदान करने और शतप्रतिशत पुराने के.सी.सी. का नवीनीकरण कर ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश जिला सहकारी बैंक के श्री आर.पी.नागदा व उप संचालक पशुपालन को दिए है। कलेक्टर ने क्षीर धारा योजना के तहत चयनित सभी 82 ग्रामों में शतप्रतिशत पशुओं का टीकाकरण करवाने और शतप्रतिशत पशुपालकों को के.सी.सी.जारी कर इन गांवों को सेचुरेटेड करने के निर्देश भी दिए है।

सम्पादकीय

आर्थिक मितव्ययता एक दिन नहीं, नियमित आदत बनाने की आवश्यकता

विश्व अर्थव्यवस्था आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ युद्ध, ऊर्जा संकट और वैश्विक अस्थिरता ने आम जनजीवन को सीधे प्रभावित करना प्रारंभ कर दिया है। मध्य पूर्व एशिया में अमेरिका इजरायल की सामरिक नीतियों तथा तेल उत्पादक क्षेत्रों में अस्थिरता ने पेट्रोल, डीज़ल, रसोई गैस और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तीव्र वृद्धि कर दी है। इसका प्रभाव केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले विकासशील देशों की घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। ऐसी परिस्थिति में आर्थिक मितव्ययता केवल एक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन चुकी है। भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ते ही परिवहन महँगा हो जाता है, जिससे खाद्यान्न, सब्जियाँ, दवाइयाँ, निर्माण सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक की कीमतें बढ़ जाती हैं। यह स्थिति सामान्य परिवारों की आय और व्यय के बीच असंतुलन उत्पन्न करती है। मध्यमवर्ग और निम्नवर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि उनकी आय सीमित होती है, जबकि आवश्यकताओं की सूची लगातार बढ़ती जाती है।

यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझ ले, तो वह अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है। मितव्ययता का अर्थ कंजूसी नहीं होता, बल्कि संसाधनों का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करना होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी कई अवसरों पर यह कह चुके हैं कि भारत जैसे देशों में घरेलू बचत आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है। जब परिवार बचत करते हैं, तब बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है, निवेश बढ़ता है और भविष्य के संकटों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। यदि करोड़ों भारतीय परिवार प्रतिदिन केवल थोड़ी-सी भी बचत करना प्रारंभ कर दें, तो उसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उपभोक्तावाद ने जीवन शैली को प्रभावित कर दिया है। लोग आवश्यकता से अधिक खर्च को प्रतिष्ठा का प्रतीक मानने लगे हैं। मोबाइल, फैशन, दिखावा, अनियोजित यात्राएँ और अनावश्यक विद्युत उपभोग धीरे-धीरे घरेलू बजट को कमजोर कर देते हैं। आर्थिक संकट के समय यही आदतें परिवारों को कर्ज और मानसिक तनाव की ओर धकेलती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि बचत को किसी विशेष अवसर या अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि सच्चा विकास वही है जिसमें व्यक्ति भविष्य की असुरक्षाओं से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हो। बचत व्यक्ति को वही सुरक्षा प्रदान करती है। छोटी बचतें भविष्य में बड़े सहारे बनती हैं। भारतीय संस्कृति में भी बूंद-बूंद से घड़ा भरता है की परंपरा रही है। पहले घरों में अनाज, धन और संसाधनों को सहेज कर रखने की परंपरा थी। आधुनिक जीवनशैली ने उस सोच को कमजोर किया है, किंतु वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ पुनः उसी अनुशासन की ओर लौटने का संकेत दे रही हैं।

यदि पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतों को देखें तो स्पष्ट होता है कि ईंधन की बचत भी राष्ट्रीय बचत है। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, वाहन का सीमित प्रयोग तथा ऊर्जा संरक्षण जैसी आदतें केवल व्यक्तिगत खर्च कम नहीं करतीं, बल्कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले दबाव को भी कम करती हैं। इसी प्रकार बिजली, पानी और गैस की बचत भी आर्थिक मितव्ययता का महत्वपूर्ण भाग है। भारत जैसे देश में जहाँ जनसंख्या विशाल है, वहाँ छोटी-छोटी बचतें बड़े परिणाम उत्पन्न कर सकती हैं। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिमाह थोड़ी राशि भी सुरक्षित रखे, तो आपातकालीन परिस्थितियों में आर्थिक अस्थिरता कम होगी। कोविड महामारी के दौरान यह स्पष्ट देखा गया कि जिन परिवारों के पास कुछ बचत थी, वे कठिन समय में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित रहे।

प्रख्यात उद्योगपति और विचारक नारायण मूर्ति ने एक बार कहा था कि आर्थिक अनुशासन व्यक्तिगत समृद्धि का प्रथम सूत्र है। वास्तव में अनुशासनहीन खर्च व्यक्ति को क्षणिक सुख तो दे सकता है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा नहीं दे सकता। बचत केवल बैंक खाते में जमा धन नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्वास और स्थिरता का आधार भी होती है।

सरकारें अपनी नीतियों के माध्यम से महँगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करती हैं, किंतु केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होते। नागरिकों को भी अपनी आर्थिक जिम्मेदारी समझनी होगी। स्थानीय उत्पादों को अपनाना, अनावश्यक उपभोग कम करना, घरेलू बजट बनाना तथा बच्चों को बचत की शिक्षा देना समय की मांग है। परिवार यदि बच्चों को छोटी आयु से ही मितव्ययता का संस्कार देंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ आर्थिक रूप से अधिक मजबूत बन सकेंगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि बचत को केवल महीने के अंत में बची राशि न माना जाए, बल्कि उसे जीवन दर्शन बनाया जाए। मितव्ययता व्यक्ति को संयम सिखाती है और समाज को स्थिरता प्रदान करती है। वैश्विक युद्ध और आर्थिक संकट कब समाप्त होंगे, यह निश्चित नहीं है, किंतु यदि समाज आर्थिक अनुशासन अपना ले, तो वह किसी भी संकट का सामना अधिक मजबूती से कर सकता है।

सहजयोग - चेतना के उत्कर्ष का पथ

जब मनुष्य संसार की निरंतर भागदौड़, तनाव और अस्थिरता के बीच स्वयं को खोने लगता है, तब उसके भीतर एक गहरी खोज जन्म लेती है – शांति की, सत्य की और अपनी वास्तविक पहचान की। यही खोज उसे आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। सहजयोग इसी आत्मिक यात्रा का वह दिव्य मार्ग है, जो मनुष्य को उसकी चेतना के उच्चतम स्तर तक पहुँचाने का माध्यम बनता है। सहजयोग के अनुसार चेतना केवल सोचने या महसूस करने की शक्ति नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर प्रवाहित होने वाली वह सूक्ष्म दिव्य ऊर्जा है, जो हमारे मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करती है। यह चेतना हमारे सूक्ष्म तंत्र – नाड़ियों और चक्रों – के माध्यम से कार्य करती है।

मानव शरीर के भीतर तीन मुख्य नाड़ियाँ बताई गई हैं – इड़ा नाड़ी, पिंगला नाड़ी और सुषुम्ना नाड़ी। इड़ा नाड़ी हमारे भावनात्मक और भूतकाल से जुड़े पक्ष का प्रतिनिधित्व करती है। यह चंद्रमा की तरह शीतल और संवेदनशील ऊर्जा प्रदान करती है। पिंगला नाड़ी हमारी मानसिक और शारीरिक सक्रियता से जुड़ी होती है तथा भविष्य और कर्मप्रधान जीवन का प्रतीक मानी जाती है। इनके मध्य स्थित सुषुम्ना नाड़ी संतुलन और आध्यात्मिक उत्कर्ष का मार्ग है। जब मनुष्य का ध्यान सुषुम्ना में स्थिर होने लगता है, तब उसकी चेतना धीरे-धीरे उच्च अवस्था में प्रवेश करती है और वह भीतर की शांति का अनुभव करता है।

इन नाड़ियों के साथ हमारे सूक्ष्म शरीर में सात प्रमुख चक्र स्थित होते हैं, जो चेतना के विभिन्न आयामों को नियंत्रित करते हैं। मूलाधार चक्र हमारी पवित्रता और स्थिरता का आधार है। स्वाधिष्ठान चक्र रचनात्मकता और सूझबूझ को जागृत करता है। नाभि चक्र संतोष और आंतरिक संतुलन प्रदान करता है। हृदय चक्र प्रेम, सुरक्षा और आत्मविश्वास का केंद्र है। विशुद्धि चक्र संवाद, सामूहिकता और मधुरता को विकसित करता है। आज्ञा चक्र क्षमा और अहंकार से मुक्ति का द्वार खोलता है, जबकि सहस्रार चक्र आत्मसाक्षात्कार और परम चेतना से जुड़ने का सर्वोच्च केंद्र माना जाता है।

सहजयोग में जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर इन चक्रों को भेदते हुए सहस्रार तक पहुँचती है, तब व्यक्ति की चेतना का विस्तार होने लगता है। यह अनुभव केवल मानसिक नहीं, बल्कि गहराई से आत्मिक होता है। व्यक्ति अपने भीतर शांति की शीतल लहर, विचारों की निःशब्दता और दिव्य आनंद का अनुभव करता है। जब हमारी चेतना शुद्ध और जागृत होती है, तब हम केवल स्वयं को नहीं, बल्कि पूरे संसार को अधिक प्रेम, शांति और एकत्व की दृष्टि से देखने लगते हैं। यही सहजयोग का सार है – आत्मा के प्रकाश को जागृत कर मानव चेतना को दिव्यता की ओर ले जाना।

सिस्टम का सचः हादसे पर होश, वसूली पर जोश, फिर बेहोशी

शाजापुर-मक्सी मार्ग पर नेशनल हाईवे-52 स्थित गोलवा के समीप होटल जैन पथ से जब इंदौर-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस बस आगे बढ़ी, तब किसी यात्री ने कल्पना भी नहीं की थी कि अगले कुछ मिनट मौत की दहशत में बदल जाएंगे। कोई फोन पर अपनों से बात कर रहा था, तो कोई सफर की थकान उतार रहा सबकुछ सामान्य और शांत था। तभी बस के भीतर अचानक जलती वायरिंग की तेज बदबू फैलने लगी। यात्रियों ने घबराकर ड्राइवर और कंडक्टर को धुआं उठने व शॉर्ट सर्किट की आशंका बताई, लेकिन चेतावनी अनसुनी कर दी गई।

सफर के बीच बस में आग भड़क उठी और वह कुछ ही क्षणों में लपटों में घिर गई। धुएं, चीखों और बचने की कोशिशों के बीच चार वर्षीय अनय जैन सीट के नीचे फंस गया और आग की चपेट में आ गया। बस में न तो कार्यशील अग्निशमन यंत्र था और न ही इमरजेंसी एग्जिट सही हालत में। यह सिर्फ तकनीकी खामी नहीं, बल्कि लापरवाही और बदहाल व्यवस्था की गंभीर सच्चाई थी, जिसने पिता की आंखों के सामने उनके मासूम बेटे को छीन लिया। इसे केवल दुर्घटना कहना सच को कम करके दिखाना होगा।

सबसे बड़ा सवाल आग लगना नहीं, बल्कि उसका कुछ ही मिनटों में बेकाबू हो जाना है। तकनीकी खराबी किसी भी वाहन में हो सकती है, पर मजबूत सुरक्षा इंतजाम उसे त्रासदी बनने से रोकते हैं। यदि बस में अग्निशमन यंत्र चालू हालत में होता, इमरजेंसी गेट समय पर खुल जाता या वायरिंग की जांच हुई होती, तो शायद यह मासूम आज जिंदा होता। मगर निजी बस संचालन में सुरक्षा को बोझ माना जाता है। ज्यादा सीटें, कम खर्च और अधिक मुनाफे की सोच ने यात्रियों की सुरक्षा को हाशिये पर धकेल दिया है। खराब वायरिंग, ज्वलनशील सामग्री और केवल कागजों पर फिटनेस अब सामान्य सच्चाई बन चुकी है।

धधकती बस की लपटों ने केवल जानें नहीं लीं, बल्कि परिवहन व्यवस्था की पोल भी खोल दी। बिना सुरक्षा उपकरणों वाली बस आखिर सड़क पर कैसे दौड़ रही थी? फिटनेस प्रमाणपत्र किस आधार पर मिला? क्या किसी ने कभी इमरजेंसी गेट की जांच की? सच यह है कि परिवहन विभाग में सुरक्षा अब सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है। जांच के नाम पर खानापूर्ति होती है और नियमों पर समझौते भारी पड़ते हैं। हर हादसे में ड्राइवर-कंडक्टर को दोषी ठहरा दिया जाता है, जबकि असली जिम्मेदार अक्सर बच निकलते हैं।

बसों में लगने वाली आग अब चौंकाने वाली घटनाएं नहीं रहीं, बल्कि व्यवस्था की आदत बन चुकी हैं। हर कुछ महीनों में कोई न कोई बस धधकती दिखाई देती है और फिर वही घिसा-पिटा क्रम शुरू होता है–अचानक जांच अभियान, कुछ चालान, कड़े बयान और फिर सब शांत। हादसे बदलते हैं, लेकिन लापरवाही नहीं। इस बार भी कुछ दिन बसों की चेकिंग होगी, अधिकारी फोटो खिंचवाएंगे, प्रेस नोट जारी होंगे और फिर पुरानी ढर्रा लौट आएगा। समस्या नियमों की नहीं, उन्हें सख्ती से लागू करने की नीयत की है।

यह सिर्फ एक बस हादसा नहीं, बल्कि जिम्मेदार तंत्र की सामूहिक विफलता है। दोष केवल ड्राइवर, कंडक्टर या मालिक का नहीं, बल्कि जिस रूट से बस गुजरी, वहां के आरटीओ अधिकारी, परिवहन प्राधिकरण, स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागीय जिम्मेदार भी बराबर के दोषी हैं। बिना जांच फिटनेस प्रमाणपत्र कैसे जारी हुए? इमरजेंसी एग्जिट बंद क्यों था? खराब वायरिंग और ज्वलनशील सीटों पर किसी की नजर क्यों नहीं गई? सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2023 से दिसंबर 2025 तक देश में 45 बस अग्निकांड हुए, जिनमें 64 लोगों की मौत और 145 लोग घायल हुए। राजस्थान सबसे ज्यादा मौतों वाला राज्य रहा, जबकि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी कई हादसे सामने आए। इतने भयावह आंकड़ों के बाद भी व्यवस्था का सुस्त बने रहना सबसे बड़ा खतरा है।

हर बड़े बस हादसे के बाद कुछ दिनों तक सड़कों पर सख्ती नजर आती है, फिर व्यवस्था दोबारा ढर्रे पर लौट जाती है। जांच, चालान और जब्ती केवल दिखावा बनकर रह जाते हैं। बस संचालकों को मालूम है कि राजनीतिक संरक्षण और अफसरशाही की सांठगांठ अंततः उन्हें बचा लेगी। इसलिए एआईएस-052 और एआईएस-119 जैसे सुरक्षा मानक सिर्फ फाइलों में कैद हैं। फायर सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी एग्जिट और अग्निरोधक सामग्री जैसी जरूरी सुरक्षा व्यवस्थाएं मुनाफे के लिए जानबूझकर नजरअंदाज कर दी जाती हैं ताकि ज्यादा बर्थ लगाकर अधिक कमाई की जा सके।

सबसे कड़वी सच्चाई यह है कि बस सुरक्षा के नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन गायब है। फिटनेस जांच, फायर सेफ्टी सिस्टम और सुरक्षित निर्माण सामग्री अनिवार्य होने के बावजूद ज्यादातर बसों में ये केवल कागजों तक सीमित हैं। कई बसों की खिड़कियां आपात स्थिति में खुल ही नहीं पातीं। इमरजेंसी गेट सामान रखने की जगह बन जाते हैं और अग्निशमन यंत्र सिर्फ दिखावे के लिए टंगे रहते हैं। यह बस भी उसी मुनाफाखोर सोच का शिकार थी, जहां यात्रियों की जान से ज्यादा कमाई को महत्व दिया गया।

यह हादसा राजनीति और प्रशासन की संवेदनहीनता भी उजागर करता है। जिस मार्ग पर यह बस रोज चलती थी, वहां कितनी बार सख्त जांच हुई? कितनी बार किसी वरिष्ठ अधिकारी ने खुद बसों की हालत देखी? जवाब लगभग शून्य है। कारण साफ है–इन बसों में आम लोग सफर करते हैं, जिनकी मौतें व्यवस्था को झकझोरती नहीं। यदि किसी रसूखदार परिवार का सदस्य इसमें फंसा होता, तो पूरे प्रदेश में तुरंत सख्ती दिखती। मगर गरीब और मध्यमवर्गीय यात्रियों की मौतें आखिरकार सिर्फ आंकड़े बनकर रह जाती हैं।

सवाल सिर्फ सरकार और प्रशासन पर नहीं, समाज पर भी उठते हैं। हम सस्ती टिकट और एसी देखकर बस चुन लेते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि इमरजेंसी गेट काम करता है या अग्निशमन यंत्र मौजूद भी है या नहीं। हादसे के बाद सोशल मीडिया पर गुस्सा उमड़ता है, मगर अगली यात्रा में वही लापरवाही दोहराई जाती है। जब तक यात्री सुरक्षित बस, तभी सफर जैसी सोच के साथ संगठित नहीं होंगे, तब तक न बस संचालकों पर दबाव बनेगा, न विभाग जागेंगे। अनय जैसे मासूमों की मौत केवल सिस्टम नहीं, हमारी सामूहिक चुप्पी की भी कीमत है।

अब समय केवल संवेदनाएं जताने का नहीं, कठोर सुधार लागू करने का है। केंद्र और राज्य सरकारों को तुरंत राष्ट्रीय बस सुरक्षा कोड लागू करना चाहिए। हर बस में जीपीएस, रीयल-टाइम मॉनिटरिंग, फायर सेफ्टी सिस्टम और तीन महीने में फिटनेस जांच अनिवार्य हो। हर बड़े हादसे की जांच स्वतंत्र एजेंसी से कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। यूरोप और अमेरिका में बस अग्निकांड इसलिए दुर्लभ हैं, क्योंकि वहां नियम सिर्फ बनाए नहीं जाते, सख्ती से लागू भी होते हैं।

धधकती बस ने फिर साबित कर दिया कि परिवहन तंत्र भीतर से कितना खोखला है। जब तक कुछ दिन सख्ती, फिर सब सामान्य वाली सोच नहीं बदलेगी, तब तक मासूम यात्री यूं ही मरते रहेंगे। जवाबदेही केवल ड्राइवर तक सीमित नहीं हो सकती; अधिकारियों से मंत्रियों तक हर जिम्मेदार व्यक्ति कटघरे में हो। सिर्फ आश्वासन नहीं, ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां किसी यात्री को जिंदा जलकर न मरना पड़े। वरना अगली बस फिर किसी हाईवे पर जलेगी, लोग फिर खिड़कियां तोड़ेंगे, कोई पिता फिर बच्चे की जली देह उठाएगा और देश फिर सब भूल जाएगा। तब सबसे बड़ा सवाल हादसा नहीं, उसे होने देने वाली हमारी चुप्पी होगी।

-प्रो. आरके जैन

अधिकमास आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का संगम स्थल हैं

भारतीय पंचांग और सनातन धर्म में अधिकमास का विशेष महत्व माना गया है। इसे सामान्य भाषा में मलमास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। यह मास लगभग हर तीन वर्ष में एक बार आता है और इसका उद्देश्य चंद्र वर्ष तथा सौर वर्ष के बीच उत्पन्न अंतर को संतुलित करना होता है। भारतीय कालगणना अत्यंत वैज्ञानिक और खगोलीय आधार पर निर्मित है, इसलिए अधिकमास का संबंध केवल धार्मिक आस्था से ही नहीं, बल्कि खगोल विज्ञान से भी जुड़ा हुआ है।

अधिकमास क्या है- हिंदू पंचांग मुख्यतः चंद्रमा की गति पर आधारित होता है। एक चंद्र मास अमावस्या से अमावस्या या पूर्णिमा से पूर्णिमा तक माना जाता है। बारह चंद्र मास मिलाकर एक चंद्र वर्ष बनता है।

चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है, जबकि सूर्य के आधार पर बनने वाला सौर वर्ष लगभग 365 दिनों का होता है। इस प्रकार दोनों में लगभग 11 दिनों का अंतर रह जाता है। यदि इस अंतर को ठीक न किया जाए, तो ऋतुएँ और पर्व अपने निश्चित समय से पीछे या आगे खिसकने लगेंगे। उदाहरण के लिए, होली कभी सर्दियों में और दीपावली कभी गर्मियों में आने लगेगी। इसलिए इस अंतर को संतुलित करने के लिए लगभग हर 32 महीने 16 दिन 8 घंटे के बाद एक अतिरिक्त मास जोड़ा जाता है, जिसे अधिकमास कहा जाता है।

अधिकमास कब होता है?

हिंदू पंचांग में प्रत्येक मास सूर्य की एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने पर निर्धारित होता है। सूर्य के इस राशि परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है।

जब किसी चंद्र मास के भीतर सूर्य की कोई संक्रांति नहीं होती, तब वह मास अधिकमास कहलाता है। अर्थात् उस पूरे महीने सूर्य एक ही राशि में बना रहता है और अगली राशि में प्रवेश नहीं करता।

उदाहरण के लिए, यदि आषाढ़ मास के दौरान सूर्य किसी नई राशि में प्रवेश न करे, तो वह अधिक आषाढ़ कहलाएगा। इसके बाद सामान्य आषाढ़ मास आएगा।

अधिकमास लगभग हर तीसरे वर्ष आता है, लेकिन इसका निश्चित समय नहीं होता। यह खगोलीय गणनाओं पर निर्भर करता है। कभी-कभी 2 वर्ष 8 महीने के अंतराल पर भी यह आ सकता है।

अधिकमास का वैज्ञानिक आधार- अधिकमास भारतीय ज्योतिष और खगोल विज्ञान की महान उपलब्धि माना जाता है।

पश्चिमी देशों में भी इसी प्रकार वर्ष के अंतर को संतुलित करने के लिए लीप ईयर की व्यवस्था है, जिसमें हर चार वर्ष बाद फरवरी में एक दिन बढ़ा दिया जाता है। उसी प्रकार भारतीय पंचांग में पूरे महीने को जोड़कर संतुलन स्थापित किया जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय ऋषियों को खगोलीय गणनाओं का गहरा ज्ञान था।

-सुनीता कुमारी

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में जी-2 यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है।

दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर चाइना प्लस वन रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं।

भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

– ललित गर्ग

आदिवासी मौन क्रांति के महानायकः गणि राजेन्द्र विजय

समाज परिवर्तन के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो मंचों की चकाचौंध, प्रचार के कोलाहल और सम्मान की आकांक्षाओं से दूर रहकर भी अपने कार्यों से युग की दिशा बदल देते हैं। वे न तो प्रसिद्धि के भूखे होते हैं, न राजनीतिक शक्ति के प्रदर्शन के इच्छुक। उनका जीवन ही उनका संदेश बन जाता है और उनका मौन कर्म ही उनकी पहचान। ऐसे ही व्यक्तित्व हैं गणि राजेन्द्र विजयजी, जिन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, अहिंसक चेतना के प्रसार और संस्कार आधारित सामाजिक पुनर्निर्माण के माध्यम से एक ऐसी परिवर्तन-धारा प्रवाहित की है, जो आज अनेक क्षेत्रों में आशा की नई किरण बनकर उभर रही है। आज जब समाज का बड़ा हिस्सा प्रदर्शन, प्रचार और शक्ति-प्रदर्शन की मानसिकता से प्रभावित है, तब गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य हमें यह विश्वास दिलाता है कि बिना शोर किए भी इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन को आदिवासी समाज के पुनर्जागरण के लिए समर्पित कर दिया। यह समर्पण केवल भाषणों या घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धरातल पर उसके ठोस परिणाम दिखाई देते हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ और राजस्थान के अनेक आदिवासी क्षेत्रों-कंवाट, बलद, रंगपुर, बोडेली और अन्य अंचलों में सामाजिक परिवर्तन की जो नई तस्वीर दिखाई देती है, वह इसी तप, त्याग और दूरदर्शिता का परिणाम है।

आदिवासी समाज को अक्सर विकास की मुख्यधारा से दूर माना गया है। इतिहास गवाह है कि इस समाज को लंबे समय तक उपेक्षा, अभाव, शोषण और विस्थापन का सामना करना पड़ा। उनके संसाधनों का उपयोग तो हुआ, पर उनके जीवन में समृद्धि नहीं पहुंची। उनके जंगल, जल और जमीन पर अधिकारों की लड़ाइयां चलती रहीं, लेकिन उनके आंसुओं को समझने वाले बहुत कम मिले। ऐसे समय में यदि कोई संत उनके बीच जाकर उन्हें आत्मविश्वास, शिक्षा, संस्कार और अहिंसा का मार्ग दिखाए, तो वह केवल सेवा नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्जन्म का कार्य है। गणि राजेन्द्र विजयजी ने यही किया। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं माना, बल्कि क्षमता और संभावनाओं से भरे समुदाय के रूप में देखा। उन्होंने उनमें आत्मसम्मान जगाया, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि विकसित की और यह विश्वास पैदा किया कि वे भी राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। उनके प्रयासों का एक महत्वपूर्ण आयाम है-÷सुखी परिवार अभियान÷। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला है। यदि परिवार टूटते हैं तो समाज बिखरता है और यदि परिवार मजबूत होते हैं तो राष्ट्र मजबूत होता है। इसी सोच के साथ सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2006 से संचालित यह अभियान समाज में संस्कार, संवाद और समरसता का वातावरण निर्मित कर रहा है।

मुझे इस अभियान से प्रारंभ से जुड़ने और संस्थापक महामंत्री से लेकर वर्तमान में अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। इस यात्रा में मैंने निकट से देखा है कि गणिजी परिवार को समाज परिवर्तन की मूल इकाई मानते हैं। उनका स्पष्ट विचार है कि यदि माता-पिता संस्कारवान होंगे, तो बच्चों में स्वतः चरित्र, अनुशासन और नैतिकता का विकास होगा। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संकट की है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, लेकिन संवेदनाएं घट रही हैं। शिक्षा का विस्तार हुआ है, पर संस्कारों का क्षरण भी तेज हुआ है। आधुनिकता की दौड़ में परिवारों का संवाद टूट रहा है और बच्चे दिशाहीनता की ओर बढ़ रहे हैं। यदि बाल पीढ़ी संस्कारों से वंचित हो गई, तो उसका प्रभाव केवल परिवार तक सीमित नहीं रहेगा; वह पूरे समाज और राष्ट्र के चरित्र को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि गणि राजेन्द्र विजयजी बच्चों और युवाओं के चरित्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। वे मानते हैं कि भारत का भविष्य केवल तकनीकी विकास से सुरक्षित नहीं होगा, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से ही सशक्त बनेगा।

आज भारत को केवल आर्थिक क्रांति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक क्रांति की आवश्यकता है। यह कार्य केवल सरकारी तंत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकारें सड़कें, भवन और योजनाएं बना सकती हैं, लेकिन संस्कारों का निर्माण समाज और परिवार ही कर सकते हैं। वास्तविक शिक्षा वही है जो व्यक्ति को मनुष्य बनाए, उसमें संवेदना जगाए, जिम्मेदारी का बोध कराए और उसे जीवन के प्रति नैतिक दृष्टि दे। केवल डिग्रियां समाज को महान नहीं बनातीं, चरित्र बनाता है। यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं जुड़े, तो ज्ञान भी विनाश का कारण बन सकता है। आदिवासी क्षेत्रों में गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा किए गए प्रयास इसी दिशा में एक उज्ज्वल प्रयोग हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि समाज के सबसे उपेक्षित वर्गों तक प्रेम, शिक्षा और अवसर पहुंचाए जाएं, तो वे हिंसा से अहिंसा और निराशा से विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा, संघर्ष, भय और वैमनस्य की स्थितियां बनी रहती थीं, वहां आज संवाद, सहयोग और शांति का वातावरण विकसित हुआ है। यह परिवर्तन किसी प्रशासनिक दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शक्ति और मानवीय विश्वास से संभव हुआ।

– ललित गर्ग

पशुबलि एक जघन्य अपराध- गायत्री परिवार

गायत्री परिवार का 199 वां एवं 200 वां कुरीति उन्मूलन और नशामुक्ति आयोजन संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में देशभर में नशाबंदी को लेकर विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाते हैं इसी क्रम में गायत्री परिवार शाखा देवास द्वारा ग्राम सुल्पाखेड़ा एवं शंकर नगर देवास में नशा मुक्ति दीपयज्ञ एवं रैलियों का सफल आयोजन किया गया इसमें बड़ी संख्या में आमजन जुड़े और नशे के दुष्परिणामों से अवगत होकर उनसे दूर रहने को संकल्पित हुए।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि गायत्री परिवार शाखा देवास का यह 199 वां एवं 200 वां नशाबंदी आयोजन हैं इन कार्यक्रमों का एक ही उद्देश्य हैं कि आमजन नशे की लत से दूरी बनाएं एवं गायत्री परिवार से जुड़कर अपने जीवन को सुंदर व सुखमय बनाएं ग्राम सुल्पाखेड़ा में चल रही माँ नर्मदा पुराण कथा के अंतर्गत नशा मुक्ति दीपयज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें गायत्री परिवार के जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल, कांतिलाल पटेल, रमेशचंद्र मोदी एवं युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले उपस्थित रहे दीपयज्ञ के दौरान कुरीति उन्मूलन को लेकर युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर गंभीरता से प्रकाश डाला और आज के दौर में पशुबलि को अंधविश्वासी एवं एक जघन्य अपराध बताया श्री निहाले ने कहा कि एक निर्जीव पशु की बलि देकर भगवान कैसे खुश हो सकते हैं ? अगर ऐसा करते हैं तो आप भगवान के सामने दुनिया के बड़े अपराधी की श्रेणी में आ रहे हो आइए समाज की इस कुप्रथा को हम सब मिलकर मिटाए दीपयज्ञ में बाबूलाल खंडेलवाल, रमेशचन्द्र मोदी एवं कांतिलाल पटेल ने ग्रामीण जनों से गायत्री परिवार की गतिविधियों से जुड़ने की बात रखी और नशा मुक्ति के संकल्प दिलाए आयोजन सफल बनाने हेतु डॉ. रूपसिंह नागर ने सभी लोगों का आभार माना।

वही शंकर नगर देवास में भी गायत्री परिवार की टीम द्वारा गरीब बस्ती में पहुंचकर नशा मुक्ति रैली निकाली जिसमें नशे को दूर भगाना है खुशहाली को लाना है, गांजा भांग शराब तंबाकू ये हैं सभी जीवन के डाकू, गुटखा खाओ गाल गलावो अपनी अर्थी खुद सजाओ जैसे जोरदार नशा मुक्ति के नारों और गीतों से गलियां गूंज उठी आयोजन के दौरान मां दुर्गा के ओटले पर नशा मुक्ति फिल्म प्रोजेक्टर का प्रसारण भी किया गया जो की बस्ती के लोगों को बहुत ही पसंद आया और प्रभावित हुए आयोजन के बाद शंकर नगर में एक प्रज्ञा मंडल का गठन भी किया गया जिसमें मदनलाल गुजराती, भेरूसिंह सोलंकी, धर्मेन्द्र मालवीय, मोहन भेड़िया, अजय मालवीय, जयराम सोलंकी, बालाराम गुजराती को लिया गया जो कि सदैव गायत्री परिवार की गतिविधियों से जुड़े रहेंगे व नशा मुक्ति आयोजन में गायत्री परिवार के सदस्यों को हमेशा सहयोग करेंगे कार्यक्रम में गायत्री परिवार के देवीशंकर तिवारी, महेश आचार्य, कांतिलाल पटेल, लक्ष्मण पटेल, सुरेंद्र दुबे, सतीश दुबे, महेंद्र राठौर, सालिगराम सकलेचा का सराहनीय सहयोग रहा इस अवसर पर कॉलोनीवासी बच्चे, गणमान्य जन एवं मातृ शक्ति उपस्थित रही 31 मई को विश्व धूम्रपान निरोधक दिवस पर गायत्री परिवार संस्थानों द्वारा देश भर में विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।

दोपहर से हुई दिन की शुरूआत, धूप से झुलसे नगरवासी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार के दिन की शुरूआत सुबह से नहीं बल्कि दोपहर से हुई। आंख खुलते ही लोगों का सामना भीषण गर्मी से हुआ। क्योंकि इस दिन अधिकतम तापमान 45 डिग्री को पार कर गया। जिसका एहसास लोगों को सुबह 7 बजे से ही होने लगा था। मौसम विभाग की माने तो तापमान में आने वाले दिनो में तापमान में और भी उछाल आएगा।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते 5 से 7 मई को ही तापमान 37 से 39 डिग्री रहा था। इसके अलावा एक माह से अधिक समय से नगरवासी 40 डिग्री से अधिक तापमान की गर्मी का सामना कर रहे हैं। सोमवार को तो तापमान ने इस सीजन के सारे रिकार्ड तोड़ दिया। इस दिन अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया जो इस सीजन का सर्वाधिक तापमान रहा। सुबह से ही तीखी धूप लोगों को परेशान कर रही थी और गर्म हवाएं लोगों की परेशानी को और बढ़ा रही थी। उम्मीद थी कि सूरज ढलने के बाद कुछ राहत मिलेगी लेकिन शाम को भी वातावरण में तीखी धूप का असर होने से शाम को भी लोगों के पसीने छूटते रहे और नगरवासियों ने पूरा दिन कूलर व एसी की मदद से गुजारा। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में भी राहत के कोई आसार नहीं है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अगले सप्ताह से नवतपा की शुरूआत होगी जिसमें तापमान और अधिक बढ़ेगा।

इस वर्ष टूट सकता है अधिकतम तापमान का रिकार्ड- नगर का अब तक का सबसे अधिक तापमान 47.2 डिग्री दर्ज है जो मई 2016 में दर्ज किया गया था। तब से आज तक इससे अधिक तापमान नहीं रहा। इस वर्ष पिछले एक माह से नगरवासी जिस तरह की गर्मी का सामना कर रहे हैं और तापमान में उछाल आ रहा है उससे इस बात की संभावना है कि इस वर्ष नगर के अधिकतम तापमान का रिकार्ड टूट सकता है। क्योंकि मौसम विशेषज्ञ द्वारा नवतपा में तापमान में और अधिक उछाल आने की संभावना जताई जा रही है।

16 जून से दस्तक दे सकता है मानसून- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि नौतपा जो 25 मई से 2 जून तक रहेगा उस दौरान गर्मी फिर बढ़ेगी और तापमान में उछाल आएगा। इसके बाद प्री मानसून की बारिश की शुरूआत हो सकती है। वहीं इस बार मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंडमान निकोबार तक पहुंच चुका है। जिसके चलते संभावना है कि 16 जून से मानसूनी बारिश शुरू हो जाए।

ब्लॉक देवास में सीएमसीएलडीपी छात्रों की प्रायोगिक परीक्षा संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत आज देवास विकासखंड में बी.एस.डब्ल्यू. एवं एम.एस.डब्ल्यू. के छात्र-छात्राओं की प्रायोगिक कक्षा की परीक्षा ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीलम सोनी की उपस्थिति में संपन्न हुई।

इस परीक्षा में डॉ सचिन दास और श्री जितेंद्र सिंह राजपूत द्वारा छात्रों का मौखिक वाइवा लिया गया तथा उनके फील्ड असाइनमेंट का मूल्यांकन किया गया। वाइवा के दौरान छात्रों से उनके फील्ड वर्क के अनुभव, सामुदायिक समस्याओं की समझ और नेतृत्व क्षमता से जुड़े प्रश्न पूछे गए। छात्रों ने ग्राम स्तर पर स्वच्छता अभियान, जल गंगा संवर्धन, महिला सशक्तिकरण और नशा मुक्ति जैसे विषयों पर किए गए कार्यों की जानकारी साझा की। श्रीमती नीलम सोनी ने छात्रों को सामुदायिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। डॉ सचिन दास ने छात्रों के व्यावहारिक दृष्टिकोण की सराहना की, वहीं प्रो. जितेंद्र राजपूत ने फील्ड की चुनौतियों पर सुझाव दिए। जन अभियान परिषद का उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक नेतृत्व के लिए तैयार करना है,परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

किलकारी अभियान के तहत स्वस्थ हुए 102 बच्चों के लिए अमलतास में आयोजित हुआ पोषण वितरण कार्यक्रम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की दिशा में जिला प्रशासन की पहल से संचालित किलकारी अभियान के अंतर्गत, अमलतास अस्पताल में एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर कुपोषण को मात देकर स्वस्थ हुए 102 बच्चों को श्रीमती नवनीत कौर महिला बाल विकास एडी द्वारा बच्चों को विधिवत पोषण आहार वितरित किया गया एवं छुट्टी दी गई। इस अभियान के माध्यम से कुपोषण के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल की गई है, जहाँ चिकित्सकों और स्टाफ की कड़ी मेहनत से बच्चों के स्वास्थ्य स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा गया।

समारोह के दौरान बच्चों के शारीरिक विकास और पोषण की निरंतरता बनाए रखने के लिए उन्हें दलिया, चना, मूंगफली, गुड़ और ताजे फलों जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों के किट प्रदान किए गए। केवल बच्चों को आहार देना ही इस आयोजन का सीमित लक्ष्य नहीं था, बल्कि उनकी माताओं को भविष्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विस्तृत पोषण सूची भी सौंपी गई। इस सूची के माध्यम से माताओं को संतुलित आहार और स्वच्छता के उन आवश्यक नियमों के बारे में विस्तार से समझाया गया, जिनका पालन कर वे अपने बच्चों को भविष्य में भी कुपोषण की चपेट में आने से बचा सकती हैं। प्रबंधन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि इन बच्चों की स्वास्थ्य निगरानी जारी रहे, जिसके लिए उन्हें हर 15 दिन के अंतराल पर नियमित चेकअप हेतु अस्पताल बुलाया जाएगा।

इस अवसर पर सीडीपीओ अधिकारी श्रीमती समीक्षा मैडम, श्री मोहनलाल अहिरवार, अमलतास अस्पताल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, डॉ. रत्ना शर्मा सहित संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिकल छात्र, आशा सुपरवाइजर और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में मौजूद माताओं ने इस पहल की सराहना की। अमलतास सुपरस्पेशलिटी के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य बच्चों को केवल तात्कालिक रूप से स्वस्थ करना ही नहीं, बल्कि समाज से कुपोषण की पुनरावृत्ति को पूरी तरह समाप्त करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रकार के ठोस प्रयास बाल स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगे और एक स्वस्थ समाज की नींव रखेंगे।

फिर उसी नाले में गिरी गाय, जहां गौरक्षा सेना कई बार कर चुकी रेस्क्यू

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के विजयनगर स्थित खुले व गहरे नाले में सोमवार को फिर एक गाय गिरकर घायल हो गई, जिसे गौरक्षा सेना ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला। यह वही स्थान है जहां पहले भी कई बार गायें गिरकर घायल हो चुकी है। जिसकी शिकायत भी पार्षद व अधिकारियों को की जा चुकी है लेकिन उसके बाद भी लगातार हादसे हो रहे हैं। गौरक्षा सेना को सोमवार सुबह 8 बजे सूचना मिली कि विजय नगर स्थित हनुमान मंदिर के पास खुले नाले में गाय गिर गई है। इस पर सेना के सदस्य तुरंत रस्सियों और आवश्यक संसाधनों के साथ मौके पर पहुंचे। गौरक्षकों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए मात्र 10 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद गाय को गौरक्षक धर्मेंद्र शर्मा, अक्षय गुर्जर, हर्षित परमार, चंद्रशेखर जाटव और यश चौहान ने नाले से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गौरक्षा सेना के सदस्यों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इसी स्थान पर अब तक लगभग 10 बार गायों और नंदी महाराज को नाले से रेस्क्यू किया जा चुका है। बार-बार हो रही इन घटनाओं से गोवंश के चोटिल होने का खतरा बना रहता है। गौरक्षकों का कहना है कि उन्होंने पूर्व में भी संबंधित पार्षद और नगर पालिका प्रशासन से इस नाले की ओर जाने वाले रास्ते को बंद करने का आग्रह किया था। रास्ता खुला होने के कारण आए दिन मवेशी इसमें गिर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं।

दो ट्रकों की टक्कर से हाईवे पर बाधित हुआ यातायात

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर से गुजर रहे हाईवे पर सोमवार अलसुबह करीब 5 बजे दो ट्रकों की भिड़ंत हो गई। इन दोनो वाहनों में भूसा भरा हुआ था जो सड़क पर बिखर गया। जिससे हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। इधर हादसे के बाद दोनो वाहनों के चालकों का कोई पता नहीं चला।

लालघाटी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर सोमवार सुबह करीब 5 बजे सड़क हादसा हुआ। गिरवर रोड स्थित प्रिंस होटल के पास हाईवे पर खड़े एक खराब ट्रक को पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भूसे से भरे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गए। दोनों ट्रक ब्यावर से इंदौर की ओर जा रहे थे और उनमें भूसा भरा हुआ था। हादसे के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों ट्रकों के चालक वहां से गायब मिले। पुलिस ने आसपास और अस्पतालों में चालकों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। सूचना मिलते ही लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस फिलहाल ट्रकों के नंबरों के आधार पर वाहन मालिकों की जानकारी जुटा रही है और लापता चालकों की तलाश जारी है।

नगर में महिला की मौत पर हुआ बवाल, सड़क पर शव रखकर किया हाईवे जाम, आरोपी के घर बुल्डोजर चलाने की मांग

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई थाना क्षेत्र में एक मुस्लिम युवक ने एक महिला की हत्या कर दी थी। मामले को लेकर सोमवार को बजरंग दल व विहिप ने महिला के शव को सड़क पर रखकर जमकर प्रदर्शन किया और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने व उसके घर पर बुल्डोजर चलाने की मांग की।

यह घटना 15 मई की रात की है जब अनीताबाई मालवीय लसूडिया मेहा जोड़ पर गंभीर घायल अवस्था में मिली थीं। महिला के बेटे रोहित मालवीय ने पुलिस को बताया कि आरोपी इब्राहिम खान ने उसकी मां पर डंडे से हमला कर उन्हें सड़क पर पटक दिया था। गंभीर रूप से घायल महिला ने देवास के अमलतास अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। विहिप विभाग मंत्री राजेश ने आरोप लगाया कि यह मामला लव जिहाद से जुड़ा है और जिले में ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने आरोपियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई नहीं की तो यह आंदोलन पूरे प्रदेश में उग्र रूप लेगा।

आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने बढ़ाई धाराएं

एसपी यशपाल सिंह राजपूत ने बताया कि आरोपी इब्राहिम खान को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस मामले में पहले भारतीय न्याय संहिता (बीएनस) की धारा 109(1) और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। महिला की मौत के बाद अब पुलिस मामले में हत्या से संबंधित अन्य धाराएं जोड़ने की कार्रवाई कर रही है।

हाईवे पर लगी वाहनों की लंबी कतार- आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उसके घर पर बुल्डोजर चलाने की मांग को लेकर विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा हाईवे पर चक्काजाम किया गया। जिसके कारण हाईवे के दोनो ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। हालांकि मौके पर एएसपी सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, लेकिन प्रदर्शनकारी किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। वे अपनी मांग पर अड़े हुए थे। जिन्हें संभालने के लिए अति. पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय, एसडीएम मनीषा वास्कले और तहसीलदार सहित कई थानों का पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को उचित वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया तब प्रदर्शनकारी माने धरना समाप्त किया।

यह था मामला- दरअसल ग्राम सकरई निवासी अनीताबाई मालवीय 15 मई की रात करीब 9 बजे सारंगपुर-अकोदिया रोड से गुजर रही थीं। इसी दौरान लसुल्डिया मेहा जोड़ के पास ग्राम मुडलाय निवासी इब्राहिम खां ने उन्हें रोका और डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी इब्राहिम खां ने अनीताबाई को जान से मारने की नीयत से पीटा और पक्की सड़क पर पटक दिया। इस हमले में महिला के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ीं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने घायल महिला को इलाज के लिए देवास के अमलतास अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और रविवार रात को महिला की मौत हो गई। परिजनों की शिकायत और देहाती नालसी के आधार पर सलसलाई थाना पुलिस ने 17 मई की रात को आरोपी इब्राहिम के खिलाफ अपराध कायम किया। पुलिस ने आरोपी इब्राहिम खां के विरुद्ध धारा 109(1) (हत्या का प्रयास) और एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(ट) के तहत मुकदमा दर्ज किया था।

देवास हादसे के बाद अधिकारियों ने की छापामार कार्रवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले की पटाखा फैक्ट्री में हुए हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा नगर में भी पटाखों के अवैध भंडारण पर सख्ती दिखाई है। रविवार रात को एसडीएम मनीषा वास्कले और तहसीलदार गौरव पोरवाल ने पुलिस बल के साथ शहर में अवैध पटाखों के खिलाफ कार्रवाई की।

प्रशासनिक टीम ने शहर में दो जगहों पर दबिश दी। पहली कार्रवाई चौक इलाके की अंडा गली में हुई, जहां सैफुद्दीन की दुकान से भारी मात्रा में अवैध पटाखे मिले। इसके बाद टीम नाथवाड़ा पहुंची और मोहन योगी के ठिकाने से भी बड़ी तादाद में पटाखे जब्त किए। प्रशासन ने दोनों जगहों से पटाखे कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि देवास जैसी घटना दोबारा न हो इसलिए यह सख्ती बरती जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें कहीं भी पटाखों के अवैध स्टाक या खतरे की जानकारी मिले तो तुरंत सूचना दें। जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि फिलहाल पटाखों को जब्त कर लिया गया है। एसडीएम की रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शुजालपुर में भी की कार्रवाई

कलेक्टर के मार्गदर्शन में अधिकारियों नरे शुजालपुर में भी पटाखों के अवैध भंडारण के संबंध में छापामार कार्यवाही की। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शुजालपुर राजकुमार हलदर, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) शुजालपुर निमेष देशमुख, नायब तहसीलदार घनश्याम लोहार, थाना प्रभारी शुजालपुर सिटी श्री प्रवीण पाठक की विशेष भूमिका रही। कार्यवाही में शुजालपुर पचोर रोड पर ग्राम चितोडा में स्थित गोदामों पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जांच किये जाने पर

अपराधियों की धरपकड़ के लिए सड़क पर उतरे 300 पुलिसकर्मी

53 स्थायी व 97 गिरफ्तारी वारंट किए तामिल, आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपराधियों की धरपकड़ करने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए रविवार-सोमवार की दरमियानी रात नगर की पुलिस रात भर सड़कों पर गश्त करती रही। इस दौरान पुलिस ने सैकड़ों अपराधियों की धरपकड़ की। पुलिस ने 53 स्थायी व 97 गिरफ्तारी वारंट तामिल किए। एसपी ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रात में चलाए गए इस अभियान में 300 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के निर्देश पर यह अभियान शुरू हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों ने रातभर विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान की निगरानी की। टीमों को रवाना करने से पहले पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। इस दौरान पुलिस टीमों ने सक्रिय बदमाशों, निगरानी अपराधियों और जेल से रिहा हुए आरोपियों के ठिकानों पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर भी विशेष नजर रखी गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 53 स्थायी वारंट और 97 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। इसके अलावा 16 जिला बदर अपराधियों की जांच की गई, और 92 गुंडों तथा 134 निगरानी बदमाशों की चेकिंग भी की गई।

जिले भर में चला अभियान, होटल-लाज में भी ली तलाशी- थाना शुजालपुर मंडी ने सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई की, जबकि थाना कोतवाली पुलिस ने अन्य मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीमों ने जिलेभर में 35 होटल, लाज, ढाबों और धर्मशालाओं की भी जांच की। बैंक, एटीएम और अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई। स्थायी वारंट तामील करने में थाना कोतवाली सबसे आगे रहा, जिसने 13 वारंट तामील किए। गिरफ्तारी वारंट की सर्वाधिक कार्रवाई थाना कालापीपल द्वारा की गई।

ब्रम्हांड का सबसे अलौकिक उत्सव था शिव और शक्ति का मिलनः संत अनुजदास महाराज

श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिवस हुआ शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का उत्सवी वर्णन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिव और शक्ति का मिलन ब्रम्हांड का सबसे अलौकिक उत्सव माना जाता है। जब भगवान शंकर माता पार्वती से विवाह करने बारात लेकर पहुंचे तो उनकी बारात में देव-दानव-भूत-प्रेत सभी शामिल थे। उन्होंने जो विवाह उत्सव मनाया वैसा उल्लेख कहीं ओर नहीं मिलता। जगत कल्याण के लिए हुआ परमपिता शंकर और माता पार्वती का मिलन युगों-युगों के लिए वंदनीय हो गया। इसीलिए शिव-पार्वती की जोड़ी को विश्व की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी कहा जाता है।

यह बात महंत श्रीअनुजदासजी महाराज ने सोमवार को सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव में भक्तों को प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि श्री नित्येश्वर महादेव भागवत कथा समिति एवं सूर्या ग्रूप द्वारा आयोजित कथा महोत्सव स्थानीय रेल्वे मैदान स्टेशन रोड़ पर प्रतिदिन सांय 7.30 से रात्रि 11.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। जिसके तृतीय दिवस कथा वाचक अनुजदासजी द्वारा विभिन्न कथा प्रसंगो के साथ शिव - पार्वती विवाह प्रसंग का उत्सवी वर्णन किया गया। जिसमें शिव-पार्वती का स्वरूप धारण कर बाल कलाकारों सहित भूत-प्रेतों की टोली तथा उपस्थित भक्तजनों ने जमकर झूमते-नाचते नाचते हुए शिव बारात का आनंद लिया। इस मौके पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं नगरवासीगण उपस्थित रहे।

सरकारी नियंत्रण से मुक्त हो मंदिरों का चढ़ावा- कथा के दौरान महंतश्री ने मंदिरों के चढ़ावे को सरकारी नियंत्रण से बाहर करने की मांग करते हुए कहा कि हिन्दू मंदिर जनास्था के वो केन्द्र हैं जहां लोगों की भक्ति हमेशा निःस्वार्थ समर्पण के उदाहरण प्रस्तुत करती नजर आती है। भारत के सांवरिया सेठ मंदिर में करोड़ों का चढ़ावा आता है जो भक्तों द्वारा चढ़ाया जाता है किंतु उसका उपयोग सरकार अपने खजाने को भरने में करती है। हमारी मांग है कि मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग खजाना भरने के बजाय मानव सेवा के कार्यों में किया जाना चाहिए तभी उस दान का सदुपयोग हो सकेगा।

शिक्षा, चिकित्सा और न्याय व्यवस्था हो निःशुल्क- कथावाचक ने देश में बांटी जा रही फ्री-सेवा पर भी अंकुश लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और मुफ्तखोरी देश की सबसे बड़ी समस्या है। देश में मुफ्तखोरी को बंद किया जाना चाहिए। केवल तीन सेवाएं शिक्षा, चिकित्सा और न्याय व्यवस्था ही निःशुल्क होना चाहिए जिससे जरूरतमंदों की सेवा हो सके और देश का विकास हो सके। मुफ्त के गेहूं चावल के चक्कर में देश की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है।

महिदपुर पुलिस क्यों नहीं पकड़ पा रही आईपीएल के सटोरिया बटुक व पोरवाली को

महिदपुर पुलिस से बचने के लिए बटुक झवेरी व पोरवाली ने इंदौर में बनाया अपना आशियाना

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से लगा कर उज्जैन आगर देवास सभी जगह आए दिन सट्टे के मामले उजागर हो रहे हैं इसके बावजूद सटोरिए के ऊपर महिदपुर पुलिस अभी तक कोई करवाई क्यों नहीं कर पा रही है महिदपुर में सटोरिए अपने पैर अंगद की तरह जमाए बैठे है। अभी तो सटोरियों का सब से बड़ा उत्सव चल रहा है काफी समय से देखा जा रहा है,की महिदपुर का एक बड़ा बुकी क्रिकेट और आईपीएल के सट्टे का व्यापार करने वाला बटुक झवेरी व पोरवाली महिदपुर नगर में ही आम जनता के बीच खुले आम सट्टा खोरी कर के घूम रहा है और लाखों रुपयों की आईपीएल के सट्टे में हेरा फेरी कर चुका हैं महिदपु पुलिस के शिकंजे से इंदौर फरार होने के बावजूद महिदपु में उस के काले धंधे की उगाई उसके अंडे छरे कर रहे हैं । उसके बावजूद भी महिदपुर पुलिस उसे क्यों नहीं पकड़ पा रही है? ऐसा लगता है कि कोई बड़े नेता का हाथ उस के ऊपर है । सूत्रों के अनुसार पता चला है कि उस सटोरिए ने महिदपुर नगर के बड़े बड़े व्यापारियों को सट्टे की आईडी दे रखी है, और उसके द्वारा नियुक्त दलाल व्यापारी लाखों के सट्टे की रकम हार चुका है ।उस व्यापारी के यहां से पोरवाली का रिश्तेदार किराना व्यापारी तेल के डिब्बे लाता और बेच कर सटोरियों को पेमेंट देता और सटे की आईडी बटुक झवेरी व पोरवाली से मिल जाती।सूत्रों के अनुसार यहां भी पता चला है कि बटुक झवेरी व पोरवाली के क्रिकेट के अंदर इंटरनेशनल सट्टा किंग दुबई तक के सटोरिए इसके साथ जुड़े हुए हैं महिदपुर पुलिस को इसके व्यापार की जड़ तक पूरी पूरी जानकारी है किन्तु एक। कही ना कही बड़े सत्ता धारी नेता का हाथ होने से पुलिस महिदपुर इसके गिरेबान में हाथ डालने से डर रही है द्य उज्जैन जिला स्तरीय पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल को इन दोनों के पास जितने भी इंटरनेशनल मोबाइल नंबर है और परिवार में किन किन के मोबाइलों से किन किन के पास इंटरनेशनल मोबाइल नंबर है व उन नंबरों से व्यापार चल रहा है पूरी चेकिंग करना चाहिए? महिदपुर नगर में इतने बड़े-बड़े व्यापार चल रहे हैं और पुलिस प्रशासन को कानों कान तक खबर नहीं चल पा रही है नगर के कई और बड़े व्यापारी व पोरवाली का रिश्तेदार किराना व्यापारी के नाम की चर्चा है व सटोरियों तक जुड़े हुवे है जो पुलिस विभाग के लिए चिंता का विषय है द्य महिदपुर पुलिस बटुक झवेरी व पोरवाली के ऊपर शिकंजा कस कर तत्काल कार्यवाही करे अन्यथा ये इंटरनेशनल मेल मिलाप एवं हवाला का मामला शहर की सुरक्षा और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भविष्य में खतरनाक न सिद्ध हो, इससे पहले बटुक झवेरी व पोरवाली के कहां-कहां तक तार जुड़े हुए हैं और इस के साथ साथ कौन कौन हाई प्रोफाइल लोग जुड़े हुवे है। की निष्पक्ष जांच होना चाहिए।

बुकी बटुक झवेरी का पाटनर सटोरिया पोरवाली जिस के तार दुबई तक जुड़े है और पोरवाली का रिश्तेदार किराना व्यापारी व लाखों रूपये की रकम बटुक झवेरी व पोरवाली महिदपुर के कई बड़े बड़े व्यापारियों से आईपीएल के सट्टे में जीत चुके हैं सूत्रों के अनुसार यहां भी पता चला है कि बटुक ने काले धन की कमाई से इंदौर में बहुत सारी प्रॉपर्टी खरीद चुका हैं बटुक झवेरी व पोरवाली के ऊपर इनकम टैक्स के छापे पढ़ने चाहिए तो सारा मामला उजागर हो जाएगा की आईपीएल के सट्टे से कितना काला धन एवं कितनी प्रॉपर्टी इस सटोरिए ने जमा कर रखी है।

जल निगम जिले के शेष सभी स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में एक माह में नल कनेक्शन उपलब्ध कराए - श्री चंद्रा

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल निगम नीमच जिले के सभी स्कूलों और आंगनवाडी केंद्र भवनों में हर घर नल से जल योजना के तहत एक माह में नल कनेक्शन उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। कोई भी स्कूल, आंगनवाडी या बसाहट हर घर नल से जल के लाभ से वंचित ना रहे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता मिशन तहत संचालित कार्यो की समीक्षा बैठक में दिए।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में सोमवार को आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जल निगम महाप्रबंधक श्री धीरेन्द्र बिजोरिया, लो.स्वा.या.विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री दीपेश वास्पत व अन्य जिला अधिकारी व समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में जल निगम के महाप्रबंधक को निर्देश दिए, कि जिले के ऐसे मजरे टोले बसाहटे जो गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना के लाभ से वंचित है। उन सभी मजरों, टोलो, बसाहटों को सूचीबद्ध कर, वहां हर घर नल कनेक्शन के लिए प्रस्ताव तैयार कर लो.स्वा.या.विभाग के सचिव एवं जल निगम के प्रबंध संचालक को प्रस्ताव भेजे।

बैठक में बताया गया, कि जिले के 377 स्कूलों, एवं 149 आंगनवाडी भवनों में नल कनेक्शन होना शेष है। स्कूलों व आंगनवाडी केंद्रों में नल कनेक्शन का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि एक माह में शेष सभी शालाओं, आंगनवाडी केंद्रों में नल कनेक्शन उपलब्ध करवा दिया जाए।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने रोड़ रेस्टोरेशन कार्य की प्रगति की समीक्षा में निर्देश दिए, कि अब तक जिले में किए गये रोड रेस्टोरेशन कार्य की ग्रामवार सूची उपलब्ध करवाए। इस सूची का पंचायतों से सत्यापन करवाया जाएगा, कि रोड़ रेस्टोरेशन का समुचित गुणवत्तापूर्ण कार्य हुआ है अथवा नही कलेक्टर ने लो.स्वा.यां.विभाग एवं जल निगम को निर्देश दिए, कि वे हर ग्राम पंचायत में एक-एक वाल्वमेन, पम्प आपरेटर चयनित कर उसे योजना के संचालन का प्रशिक्षण दिलाए।

बैठक में बताया गया, कि जिले में हाल ही में 18 नवीन नलकूप खनन के कार्य स्वीकृत किए गये है। जिन पर नलकूप खनन का कार्य प्रारंभ हो गया है। आगामी दिनों में 18 और नलकूप खनन का कार्य किया जावेगा। बैठक में लो.स्वा.यां.विभागों को बंद पडे 10-10 नलकूपों में रिचार्ज पिट संरचनाओं का निर्माण करने के निर्देश भी दिए गये।

बैठक में कलेक्टर ने पंचायतों द्वारा जलकर संग्रहण की समीक्षा में निर्देश दिए, कि ग्राम पंचायतों को जलकर संग्रहण बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाए। जलकर की वसूली की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होने जनपद सीईओ को निर्देश दिए, कि जिले में एक माह में जलकर संग्रहण 5 लाख रूपये से बढ़ाकर 10 लाख रूपये तक किया जाए।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को बदनावर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में व्याप्त समस्या को लेकर दिया ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई बदनावर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को बदनावर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में व्याप्त समस्या को लेकर ज्ञापन दिया गया।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों के हित के लिए कार्य करती है। विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री मुकुल पंड्या ने ज्ञापन के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया कि शासकीय मॉडल स्कूल, बदनावर में वर्तमान समय में बाउंड्रीवाल का अभाव है, जिसके कारण विद्यालय की सुरक्षा एवं अनुशासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेष रूप से यह चिंता का विषय है कि विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास भी संचालित है, जहां विद्यार्थी 24 घंटे निवास करते हैं। ऐसे में खुला परिसर उनकी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करता है।

विद्यालय परिसर खुला होने से बाहरी व्यक्तियों का आवागमन बना रहता है जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा, गोपनीयता एवं स्वच्छता प्रभावित होती है। यह स्थिति अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में निरंतर चिंता का कारण बनी हुई है। इसके अलावा शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल ,तिलगारा में भी विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण कक्षों का अभाव है तथा खेल मैदान की सुविधा भी नही है।

अंतिम समस्या जो कि शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय , भैंसोला में व्याप्त है , वहां भी अतिरिक्त कक्षों की मांग को लेकर तथा पुराने भवन को डिस्मेंटल हेतु कई बार विद्यार्थी परिषद ने ज्ञापन दिया है। पुराने भवन काफी जर्जर स्थिति में है, कल से कोई भी घटना अगर होती है तो उसका जिम्मेदार कोन होगा।

इस समस्या के निराकरण हेतु पूर्व में भी अ.भा. वि.प. ध्यान आकर्षित करा चुकी है , किंतु अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है।

इस ज्ञापन के माध्यम से इन सभी समस्याओं के निराकरण हेतु कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। अगर इन मांगों को लेकर कोई उचित निर्णय नही लिया गया तो बाध्य होकर समस्त।

ग्राम खेड़ा में पंच दिवसीय पंच कुंडीय राम मारुती महायज्ञ एवं श्रीराम कथा महोत्सव शुरू

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम खेड़ा में रविवार से पाँच दिवसीय श्रीराम मारुति महायज्ञ एवं शनिवार से पांच दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा महोत्सव का शुभारंभ हुआ।आयोजन स्थल छोटे तालाब के पास परिसर में यज्ञ शाला बनाई गई पाताल विजय हनुमान मंदिर को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है। रविवार से श्रीराम मारुति महायज्ञ आरंभ हुआ , जो प्रतिदिन प्रातः आठ से शाम छह बजे तक चलेगा। यजमानों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां दी जाएंगी। यज्ञाचार्य एवं कथा व्यास पं. श्री राघवेन्द्रकृष्ण जी गोर(राहुल गुरुजी) बखतगड़ वाले के द्वारा श्री राम कथा और पंच कुंडीय राम मारुती महायज्ञ सम्पन्न कराया जाएगा ।मुख्य कुंड पर यजमान दिलीप पाटीदार(भंडारी) ,नंद किशोर राणा विक्रम आइसर एव अन्य चार कुंडों पर 9जोड़े के साथ हवन सम्पन्न हो रहा है ।जिसकी प्रारंभिक रूपरेखा इस प्रकार है संगीतमय श्री राम कथा प्र 16 मई से 20 मई 2026 तक समय शाम 7.30 से हरि ईच्छा तक रहेगा । प्रथम दिवस 17 मई रविवार को पं. श्री राघवेन्द्रकृष्ण जी गोर के आचार्यत्व में हेमाद्री कर्म दशविधि स्नान, श्री गणेश पूजन, कलश यात्रा एवं मंडप प्रवेश, अग्नि स्थापना की गई अंतिम दिवस 21 मई श्री गंगा यात्रा, पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी दोपहर 1 बजे सम्पन्न होगी ।। बेंड बाजों, ढोल-ढमाकों और भक्ति गीतों के साथ यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुईं।शाम 7-30 से रात्रि 10-30 बजे तक प्रभु इच्छा तक संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन होगा।कथा का विश्राम 20 मई को होगा। महायज्ञ 21 मई तक चलेगा।यज्ञ पंडाल में मे हीरालाल पाटीदार कालूराम जी काका विक्रम पाटीदार कालूराम पाटीदार आदि विशेष रूप से निस्वार्थ सेवाएं दे रहे है।

SDM और CSP ने किया विस्फोटक डेटोनेटर भंडारण का औचक निरीक्षण

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा SDM रंजना पाटीदार और नागदा CSP विक्रम अहिरवार थाना प्रभारी संतोष चौहान ने आज संयुक्त रूप से उन्हेल तहसील के ग्राम करौंदिया में विस्फोटक डेटोनेटर भंडारण स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्टॉक रजिस्टर, सुरक्षा मानकों, फायर सेफ्टी उपकरण की जांच की। SDM ने भंडारण स्थल के लाइसेंस और कर्मचारियों के वेरिफिकेशन दस्तावेज भी चेक किए। CSP ने संचालक को हिदायत दी कि विस्फोटक सामग्री की हर आवाजाही का रिकॉर्ड मेंटेन करें और निर्धारित मात्रा से अधिक भंडारण न हो। सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों ने एंट्री रजिस्टर अपडेट रखने के निर्देश दिए। नियम तोड़ने पर लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी भी दी गई।

खाचरोद ब्लॉक में पीएम आवास योजना में अब तक 19316 परिवारों को मिला आवास योजना का लाभ

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है हर कच्ची झोपडी को पक्की छत में बदलना इसी तारतम्य में वर्ष 2016-17 से प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुरू की गयी इस योजना ने देशभर में लाखो करोडो गरीब परिवारों को पक्की छत के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीना सिखाया है प्रदेश के मुखिया मोहन यादव का मुख्य जोर हर योजना का लाभ गरीब वंचित वर्ग तक पहुँचाने का रहा है इसी कारन मध्यप्रदेश देश में आवास पूर्णता में अव्वल स्थान पर है खाचरोद ब्लॉक में वर्ष 2016-17 तक कुल 19316 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लाभ प्रदाय किया गया है अर्थात 19316 परिवार अब कच्ची झोपडी के स्थान पर अब पक्की छत के नीचे निवास कर रहे है गरीब हो या अमीर सभी का सपना होता है खुद का पक्का घर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम आवास योजना के माध्यम लाखो करोडो परिवारों के पक्के घर के सपने को पूरा किया है उज्जैन जिले के खाचरोद ब्लॉक में जिले में सर्वाधिक आवास पूर्ण हुए है वर्तमान में वर्ष 24-25 के 10689 आवासो के विरुध्द 7620 आवास पूर्ण करने के साथ ही खाचरोद ब्लॉक उज्जैन में सर्वाधिक आवास पूर्ण करने वाला ब्लॉक बन गया है।

उन्हेल राधा कृष्ण स्वर्णकार समाज मंदिर में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस...

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल राधा कृष्ण स्वर्णकार समाज मंदिर में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस श्रीमद् भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि सत्संग पुरुषार्थ का फल नहीं है, सत्संग भगवान की कृपा का फल है ,आदमी इच्छा कर सकता है, आदमी यत्न कर सकता है, उसके लिए संवनिष्ठ यत्न भी करें परंतु जब तक भगवान का अनुग्रह नहीं होता तब तक भगवान की कथा श्रवण का लाभ नहीं मिलता है, जब जीव का भाग्योदय उदय होता है, तब कहीं जाकर कथा श्रवण करने लाभ मिलता है ,और सौभाग्य की बात है कि पुरुषोत्तम मास है आपको कथा श्रवण का अवसर मिला है इस मास में कथा सुनने से अनंत अनंत गुना लाभ मिलता है ,ओर बताया कि भगवान सत्य स्वरूप चित् स्वरूप और आनंद स्वरूप है, यही भगवान विश्व की उत्पत्ति करते हैं विश्व का पालन करते हैं और विश्व का संवाहार करते हैं, भगवान की कथा एवं ईश्वर हमारे जीवन के तीन प्रकार के पापों का नाश करते हैं, आदि देवी ,आदि भौतिक, अध्यात्मिक यह तीन प्रकार के पापों का नाश भगवान करते हैं, कथा के दौरान कहा की पुराणो में जितनी भी कथा हुई सब नैमिषारण्य में हुई है , सुत जी महाराज कथा करते हैं और शौनकादि ऋषि श्रवण करते हैं, अपने गुरु की महिमा बताते हुए कहा कि गुरु हमारे भीतर के अहंकार को दूर करते हैं ,अपने कथा के माध्यम से बताया कि जब सुखदेव जी कथा कर रहे थे तब देवता लोग अमृत कलश लेकर आए परंतु देवताओं को भी यह कथा नहीं मिली जो देव दुर्लभ कथा है प्रथम दिवस कथा के लाभार्थी ओम प्रकाश सोनी हरीश सोनी योगेश सोनी परिवार रहा इस अवसर पर बड़ी संख्या मे समाज के लोगों सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे यह जानकारी समाजसेवी सतीश सोनी ने दी।

जिले में जनगणना का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण, स्वगणना में मंदसौर प्रदेश में प्रथम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने बताया कि जिले में जनगणना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में चार्ज अधिकारी लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना से संबंधित सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण करवाया जाए। उन्होंने बताया कि स्व गणना अभियान अंतर्गत मंदसौर जिले ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में सभी सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा गया कि गर्मी एवं आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए आवश्यक तैयारियां पूर्व से सुनिश्चित करें। अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु फायर ब्रिगेड एवं अन्य संसाधनों को हमेशा अलर्ट मोड में रखा जाए। जहां कहीं पेयजल की समस्या उत्पन्न हो, वहां तत्काल आवश्यक जल स्त्रोतों का अधिग्रहण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही भू-अर्जन के प्रकरण लंबित नहीं रखने एवं ई-केवाईसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उपार्जन केंद्रों पर किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। बारदान एवं गोदाम की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। बताया गया कि 23 मई तक स्लॉट बुकिंग जारी रहेगी। गेहूं परिवहन कार्य सुचारु रूप से संचालित हो, इसमें किसी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल जानकारी देने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्हेल में नक्शा प्रोजेक्ट की ग्राउंड ट्रूथिंग का SDM ने किया निरीक्षण

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को नागदा स्ष्ठरूरंजना पाटीदार ने नक्शा प्रोजेक्ट का जायजा लिया। स्ष्ठरूरंजना पाटीदार ने आज सोमवार को उन्हेल में चल रहे नक्शा प्रोजेक्ट के तहत की जा रही ग्राउंड ट्रूथिंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान SDM ने राजस्व टीम तहसीलदार अनिल मोरे से मैपिंग की प्रगति जानी और फील्ड में जाकर जमीन की वास्तविक स्थिति का मिलान करवाया। स्ष्ठरूने पटवारी को निर्देश दिए कि ग्राउंड ट्रूथिंग में कोई गलती न हो, क्योंकि इसी के आधार पर डिजिटल नक्शे तैयार होंगे। उन्होंने कहा - किसानों की जमीन का सही रिकॉर्ड बनाना प्राथमिकता है। नक्शा प्रोजेक्ट के तहत ड्रोन और सेटेलाइट इमेज से बने नक्शों का फील्ड में सत्यापन किया जा रहा है। साथ में उन्हेल तहसीलदार अनिल मोरे भी मौजूद रहे अधिकारियों को साफ निर्देश... लापरवाही नहीं चलेगी।

कई दिनों से बंद पड़ी सिविल अस्पताल में एक्सरे सेवा, मरीजों की बढ़ी परेशानी

निरीक्षण के बाद भी नहीं शुरू हुई एक्सरे सुविधा

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की लापरवाही लगातार मरीजों पर भारी पड़ रही है। पिछले कई दिनों से बंद पड़ी एक्सरे सुविधा सोमवार को भी शुरू नहीं हो सकी। अस्पताल के एक्सरे रूम के बाहर सोमवार को भी ताला लटका रहा, जिससे जांच कराने पहुंचे मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा। प्रशासनिक निरीक्षण और अधिकारियों के निर्देशों के बाद भी व्यवस्था बहाल नहीं होने से मरीजों एवं परिजनों में नाराजगी दिखाई दी।

जानकारी के अनुसार अस्पताल में पदस्थ एक्सरे टेक्नीशियन अर्जित अवकाश पर होने के कारण 9 मई से एक्सरे सेवा पूरी तरह प्रभावित चल रही है। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें दुर्घटना, हड्डी, सीने और अन्य गंभीर बीमारियों से जुड़े मरीज भी शामिल हैं। डॉक्टरों द्वारा एक्सरे जांच लिखे जाने के बावजूद मरीजों की जांच नहीं हो पा रही है, जिससे उपचार प्रभावित हो रहा है।

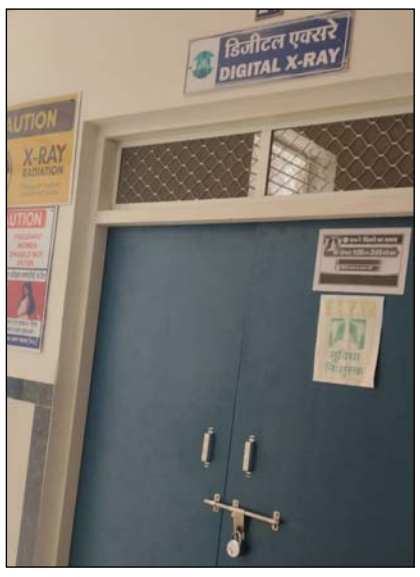

अस्पताल पहुंचे कई मरीजों ने बताया कि वे कई दिनों से लगातार अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। कई मरीजों को मजबूरी में निजी एक्सरे सेंटरों पर जाकर महंगे दामों में जांच करानी पड़ रही है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह अतिरिक्त खर्च बड़ी समस्या बन गया है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को आने-जाने में अलग से समय और पैसे की परेशानी झेलनी पड़ रही है।

गौरतलब है कि मामले को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद शनिवार को एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार राजेश श्रीमाल ने सिविल अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान एक्सरे रूम बंद मिला और गेट पर ताला लगा हुआ था। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के डॉ. बीबी पाटीदार से चर्चा कर जल्द वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। निरीक्षण रिपोर्ट भी वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई थी।

इसके बावजूद सोमवार तक स्थिति जस की तस बनी रही। मरीजों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों के निरीक्षण के बाद उम्मीद थी कि सोमवार से एक्सरे सुविधा शुरू हो जाएगी, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर फिर वही हालात देखने को मिले। इससे लोगों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती नजर आई।

मामले में जिला स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार सिविल अस्पताल प्रबंधन द्वारा 9 मई को ही जिला स्वास्थ्य अधिकारी को लिखित पत्र भेजकर टेक्नीशियन के अवकाश पर होने एवं वैकल्पिक व्यवस्था की आवश्यकता से अवगत करा दिया गया था। इसके बावजूद कई दिन बीत जाने के बाद भी कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते वैकल्पिक कर्मचारी की व्यवस्था कर दी जाती तो मरीजों को इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता।

क्षेत्रीय नागरिकों ने कहा कि सिविल अस्पताल क्षेत्र का प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्र है और यहां आवश्यक जांच सुविधाओं का लगातार बंद रहना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द से जल्द एक्सरे सेवा शुरू कराने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने इसके लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

इनका कहना- सिविल अस्पताल सुसनेर में एक्सरे सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। सोमवार को नलखेड़ा से आने वाले टेक्नीशियन का एक्सीडेंट हो जाने के कारण सेवा शुरू नहीं हो सकी। अब बड़ौद से टेक्नीशियन की व्यवस्था की गई है और मंगलवार से एक्सरे सुविधा पुनः शुरू हो जाएगी।

-डॉ दिनेश देहलवार,
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
आगर मालवा

जमुनिया कला में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष्मान आरोग्य मंदिर जमुनिया कला के औषधालय परिसर में सोमवार को योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को योग के महत्व एवं नियमित योगाभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभ की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम एवं कपालभाति सहित विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में योगः कर्मसु कौशलम्॥ अर्थात योग व्यक्ति को कर्मों में कुशलता एवं जीवन में संतुलन प्रदान करता है, का संदेश देते हुए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में कुल 24 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर डॉ. विमला पाटीदार, श्रीमती भावना बैरागी, श्री विनीत सोनी, श्री आनंद शर्मा एवं श्रीमती श्वेता जोशी ने विशेष सहयोग दिया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के प्रभावी संचालन के दिये निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा करते हुए आयुष विभाग के कार्यों पर असंतोष व्यक्त किया। एक माह तक समयावधि पत्रों का प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सीईओ रामा को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संस्कृति विभाग को जिले की सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं एवं प्रथाओं का डॉक्यूमेंटेशन करने के निर्देश प्रदान किए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विगत सप्ताह में 50 दिवस से अधिक लंबित 1295 शिकायतों में से मात्र 127 शिकायतों के निराकरण पर नाराजगी व्यक्त की तथा विशेष अभियान चलाकर शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। रेंडम शिकायतों की समीक्षा में पेंशन संबंधी प्रकरणों पर कार्यवाही नहीं करने पर सीएमओ झाबुआ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में वर्ष 2023-24 की छात्रवृत्ति संबंधी शिकायतों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने स्वीकृति के बाद भी राशि जारी नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्षेत्र से बाहर बताकर शिकायतों को एक विभाग से दूसरे विभाग में स्थानांतरित किए जाने के मामलों की समीक्षा की गई। तहसीलदार मेघनगर को नोटिस जारी करने तथा सीएमओ झाबुआ एवं तहसीलदार झाबुआ द्वारा शिकायतों के अनावश्यक ट्रांसफर किए जाने पर दोनों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए।

सामुदायिक वन अधिकार प्रकरणों के निराकरण हेतु एसडीएम को ग्राम चौपाल आयोजित करने के निर्देश दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पूर्ण किए जाने वाले 2724 कार्यों एवं नगरीय निकायों के शेष 533 कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

जनगणना कार्य की समीक्षा में जिले में मकान सूचीकरण कार्य की प्रगति 88.07 प्रतिशत पाई गई। ग्रामीण क्षेत्र में रामा विकासखंड द्वारा 100 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र में थांदला एवं पेटलावद द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण किए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों की सराहना की।

बैठक में वनाधिकार प्रकरणों, हिट स्ट्रोक क्लिनिक एवं जनभागीदारी संतृप्ति शिविरों की भी समीक्षा की गई। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 18 मई से 25 मई 2026 तक संचालित जन भागीदारी ङ्क सबसे दूर, सबसे पहले अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के जनजातीय क्षेत्रों के चयनित 651 ग्रामों में स्थित आदि सेवा केंद्रों पर लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि शिविरों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए तथा आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वास्थ्य परीक्षण, सिकल सेल जांच एवं पोषण परामर्श जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। अभियान के माध्यम से दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा हितग्राहियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मंडलोई, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षयसिंह मरकाम, एसडीएम झाबुआ श्री महेश मंडलोई, एसडीएम थांदला श्री भास्कर गाचले, एसडीएम मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा और अंतर्विभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। फसल उपार्जन और मंडियों में मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण और जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाने पर दिया जाए जोर बड़वानी 18 मई 2026/ कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में समय-सीमा और अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने जिले के विकास कार्यों और किसान कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने फसल उपार्जन और किसान पंजीयन की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कृषि उपज मंडियों में मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने समस्त एसडीएम को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने कार्यक्षेत्र की मंडियों के भारसाधक अधिकारी हैं, इसलिए स्वयं व्यवस्थाओं का परीक्षण कर निविदा और आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये प्रस्ताव विवेकपूर्ण और वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार होने चाहिए। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने मंडियों में निर्माण कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की। राजस्व विभाग के अंतर्गत लंबित नामांतरण, बँटवारा एवं सीमांकन के मामलों को त्वरित गति से निपटाने के कड़े निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जल संरक्षण को एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया और विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों को पूरी निष्ठा एवं जवाबदेहिता के साथ शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व जिले में जितने भी आंगनवाड़ी भवन निर्माणाधीन हैं, उन सभी कार्यों को समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। जिले में स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत सिकल सेल टेस्ट करना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एएनसी रजिस्ट्रेशन और पीआईएच प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और सुधार के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को पाबंद किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले चिकित्सा संस्थानों की प्रतिदिन कड़ाई से निगरानी करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, सहायक कलेक्टर श्री माधव अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सोहन कनास सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महिला आईटीआई में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा श्री संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सोमवार को शासकीय महिला आईटीआई कॉलेज, खंडवा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा बच्चों की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलावर सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सिंह ने छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पोक्सो अधिनियम 2012 एवं चाइल्ड फ्रेंडली प्रोसीजर के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013, साइबर अपराध एवं महिलाओं से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों के बारे में भी बताया।

जनजातीय बारह मासी छात्रावासों में समर कैंप गतिविधियां उत्साहपूर्वक संचालित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित जनजातीय बारह मासी छात्रावासों एवं आश्रमों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समर कैंप गतिविधियां उत्साहपूर्वक आयोजित की जा रही हैं। जिले में कुल 24 बारह मासी हॉस्टल संचालित हैं, जिनमें 12 छात्रावास एवं 12 आश्रम शामिल हैं। प्रत्येक विकासखंड में 4-4 हॉस्टल संचालित होकर विद्यार्थियों को आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों की रुचि एवं प्रतिभा को विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें खेलकूद प्रतियोगिताएं, नियमित अध्ययन, चित्रकला, मिट्टी से आकृतियां बनाना, समूह गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियां शामिल हैं।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन ने बताया कि इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं टीम भावना का विकास हो रहा है। साथ ही बच्चों को अवकाश के दौरान सकारात्मक वातावरण में सीखने एवं अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा समर कैंप गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आनंददायक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सरकारी योजना बनी सहारा, युवा ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी रोजगार की तलाश में भटकने वाले ग्राम कल्याणपुरा के युवा श्री तनिश शर्मा आज स्वयं का सफल व्यवसाय संचालित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुके हैं। शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना ने उनके सपनों को नई दिशा दी और आज वे न केवल स्वयं रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र झाबुआ के मार्गदर्शन में श्री तनिश शर्मा ने कृषि क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने का संकल्प लिया। किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने खाद एवं बीज व्यवसाय स्थापित करने की योजना बनाई। विभागीय सहयोग एवं बैंकिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उन्हें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, झाबुआ के माध्यम से 5 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।

इस वित्तीय सहायता से उन्होंने ÷शिव कृषि सेवा केन्द्र÷ की स्थापना की। आज यह केंद्र क्षेत्र के किसानों को खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ बेहतर सेवा भी प्रदान कर रहा है। व्यवसाय के सफल संचालन से श्री तनिश शर्मा को प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

उनकी सफलता का सबसे प्रेरणादायक पहलू यह है कि उन्होंने अपने व्यवसाय में दो अन्य लोगों को भी रोजगार देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं।

श्री तनिश शर्मा का कहना है कि यदि शासन की योजनाओं की सही जानकारी और समय पर मार्गदर्शन मिल जाए, तो कोई भी युवा अपने सपनों को साकार कर सकता है। उन्होंने अपनी सफलता के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र झाबुआ तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह सफलता कहानी जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा है कि मेहनत, आत्मविश्वास और शासन की योजनाओं का सही उपयोग जीवन को नई दिशा दे सकता है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरणों एवं सुविधाओं के वितरण हेतु व्यापक सर्वेक्षण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कल्याणी विवाह योजना एवं कल्याणी पेंशन योजना के प्रभावी प्रचार-प्रसार के साथ पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत लंबित 385 प्रकरणों के भुगतान को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) को आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा गया।

कलेक्टर ने जिले के सभी 6 विकासखंडों में क्लस्टर स्तर पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जाने हेतु विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन शिविरों में गैर शासकीय संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

बैठक में सिकल सेल रोग से प्रभावित मरीजों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र आगामी एक माह में शत-प्रतिशत बनाए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही 0 से 18 वर्ष आयु तक के दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र निर्माण हेतु विशेष शिविर लगाने एवं नशा मुक्ति अभियान को गांव-गांव तक प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज साँवले सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहरी क्षेत्र में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के निर्माण व विक्रय पर रोक लगाएं

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने नगर निगम आयुक्त और सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि खण्डवा शहरी क्षेत्र में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के निर्माण पर सख्ती से रोक लगाएं। उन्होंने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कहा कि गणेशोत्सव एवं नवदुर्गा उत्सव के दौरान शहरी क्षेत्र में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के विक्रय को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करें। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, पुनासा के एसडीएम श्री पंकज वर्मा, सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान के अलावा अपर कलेक्टर श्री अरविंद चौहान सहित सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे। भूजल संरक्षण के कार्य 15 जून से पहले पूर्ण कराएं- कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अपने अपने क्षेत्र के गेहूं व चना उपार्जन केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों को कोई समस्या न हो। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाएं। उन्होंने भूजल संरक्षण एवं जल संवर्धन के सभी कार्य 15 जून के पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सिंहस्थ-2028 से सम्बंधित कार्यों से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओंकारेश्वर में सिंहस्थ सम्बंधी सभी कार्य प्राथमिकता से गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराए जाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि ÷कोई भी शिकायत नॉट अटेंड न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण से पूर्व सम्बंधित आवेदक से अधिकारी स्वयं बात करें और संतुष्टिपूर्ण ढंग से शिकायत के निराकरण का प्रयास करें।

जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहलेअभियान हुआ शुरू

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार करने और जनजाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं से इस वर्ग के ग्रामीणों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से 18 से 25 मई तक राष्ट्रव्यापी सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में इस अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनजातीय समुदायों के हितग्राहियों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से लगाए जाने वाले शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनजातीय वर्ग के ग्रामीणों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए इन शिविरों के साथ स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी करें। जनजातीय विभाग के सहायक संचालक श्री नीरज पाराशर ने इस दौरान बताया कि जिले के बलड़ी ब्लॉक के जनजातीय बहुल 8 ग्रामों, छैगांवमाखन ब्लॉक के 70, हरसूद विकासखण्ड के 6 आदी।

डिलीवेरेबल इंडिकेटर्स की समीक्षा बैठक आयोजित, स्वास्थ्य सेवाओं के क्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति सुनिश्चित करने हेतु आज दोपहर 2ः00 बजे जी.एन.एम. नर्सिंग कॉलेज, बाड़कुआ में की डिलीवेरेबल इंडिकेटर्स संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल द्वारा वर्ष 2026-27 हेतु निर्धारित 64 की डिलीवेरेबल इंडिकेटर्स के लक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सभी सीएचओ एवं बीपीएम को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्वास्थ्य सूचकांक को शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए।

समीक्षा के दौरान एएनसी फर्स्ट ट्रायमेस्टर पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती माताओं का चिन्हांकन एवं मैनेजमेंट, मातृ मृत्यु रिव्यू, शिशु मृत्यु रिपोर्टिंग, स्टिल बर्थ रेट, आरबीएसके स्क्रीनिंग, पेंटावेलेंट फर्स्ट डोज, एमआर सेकंड डोज, एनआरसी बेड ऑक्यूपेंसी रेट, आयुष्मान भारत स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम, टीबी स्क्रीनिंग, हेपेटाइटिस-बी एवं सी ट्रीटमेंट, मलेरिया, डेंगू तथा एनसीडी स्क्रीनिंग सहित विभिन्न प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप चोपड़ा द्वारा समस्त सीएचओ को सिकलसेल एप में स्क्रीनिंग एवं ट्रीटमेंट संबंधी एंट्री करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही यह समीक्षा भी की गई कि विभिन्न सीएचओ द्वारा अब तक कितने मरीजों का उपचार किया गया है। उन्होंने सिकलसेल रोगियों के वैक्सीनेशन को समयबद्ध एवं पूर्ण रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आवारा श्वानों के प्रबंधन के लिए जिला स्तरीय समिति गठित

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय प्रशासन विभाग के आदेश अनुसार संस्थागत परिसरों में श्वान के काटने की घटनाओं की रोकथाम तथा आवारा श्वानों के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाई गई है। इस प्रक्रिया के पालन व क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। समिति में सदस्य सचिव, जिला पंचायत के सीईओ हैं तथा सदस्य के रूप में नगर निगम आयुक्त के साथ साथ पशु चिकित्सा कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और पुलिस विभाग के जिला अधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य को शामिल किया गया है।

समिति की बैठक सम्पन्न- सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समिति की पहली बैठक कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र तारणेकर भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों कॉलेज, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स जैसे स्थानों पर बाउंड्रीवाल निर्मित कर आवारा श्वानों का प्रवेश रोका जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आवारा श्वानों के लिए आश्रय स्थल विकसित किया जाए और श्वानों को पकड़कर आश्रय स्थल में रखा जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सरकारी अस्पतालों में रेबीज के इंजेक्शन पर्याप्त मात्रा में रखने के लिए भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में उप संचालक पशु चिकित्सा को पालतू गायों की टैगिंग कराने के निर्देश दिए।

NAME CHANGE

I NAKYA D/O ABBASI PANWALA HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGE MY NAME AS NAKIYA UMRALI WALA D/O ABBAS PANWALA. AND I HAVE ADD MY SPOUSE NAME AS BURHANUDDIN UMRALI WALA. SO FROM NOW AND IN FUTURE I WILL BE KNOWN BY MY NEW NAME NAKIYA UMRALI WALA D/O ABBAS PANWALA FOR ALL PURPOSE.

ADDRESS :-23/1 MOLANA AZAD MARG,JAMA MASJID, ALIRAJPUR DIST :-ALIRAJPUR (M.P.) -457887

NAME CHANGE

I AMMAR S/O ABBAS HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGE MY NAME AS AMMAR LIGHTWALA S/O ABBAS LIGHTWALA. AND I HAVE CHANGE MY MOTHER NAME AS ASMA LIGHTWALA. SO FROM NOW AND IN FUTURE I WILL BE KNOWN BY MY NEW NAME AMMAR LIGHTWALA S/O ABBAS LIGHTWALA FOR ALL PURPOSE.

ADDRESS :- MOLANA AZAD MARG, ALIRAJPUR DIST :-ALIRAJPUR (M.P.) -457887

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

एसी बसों में बढ़ रहे आग के हादसे, जांच व्यवस्था पर उठे सवाल

मनमाने मॉडिफिकेशन, ओवरहीटिंग और शॉर्ट सर्किट बन रहे बड़ी वजह, यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेशभर में एसी और स्लीपर बसों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में इंदौर से शिवपुरी जा रही एक बस में शाजापुर के पास आग लगने की घटना ने फिर से यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे में एक बच्चे की मौत भी हो गई थी। इसके बाद अब बसों की फिटनेस और सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर चर्चा शुरू हो गई है।

जानकारों के मुताबिक निजी बसों में मनमाने तरीके से इंटीरियर और इलेक्ट्रिक मॉडिफिकेशन किए जा रहे हैं। अतिरिक्त एसी यूनिट, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, एलईडी लाइटिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कारण वायरिंग पर अधिक दबाव पड़ता है। कई बार घटिया वायरिंग और लगातार ओवरलोडिंग के चलते शॉर्ट सर्किट हो जाता है, जो आग का कारण बनता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बसों में ओवरहीटिंग भी बड़ा कारण बन रही है। इंजन, बैटरी या इन्वर्टर सिस्टम में खराबी होने पर आग तेजी से फैलती है। स्लीपर कोच में उपयोग होने वाले फोम मैट्रेस, पर्दे, प्लास्टिक पैनल और सीट कुशन आग पकड़ने के बाद जहरीला धुआं छोड़ते हैं। ऐसे में यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत होती है और दम घुटने से मौत तक हो सकती है। उज्जैन शहर से प्रतिदिन 150 से अधिक स्लीपर और एसी बसें दिल्ली, मुंबई, गुजरात, राजस्थान सहित अन्य राज्यों के लिए रवाना होती हैं, लेकिन इन बसों की सुरक्षा जांच को लेकर कोई मजबूत सरकारी व्यवस्था नजर नहीं आती। निजी कंपनियां ही फिटनेस सर्टिफिकेट जारी कर रही हैं। नियमित तकनीकी निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट नहीं होने से जोखिम लगातार बढ़ रहा है। बसों में सुरक्षा इंतजामों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। कई बसों में इमरजेंसी विंडो जाम रहती हैं तो कहीं अग्निशमन यंत्र काम नहीं करते। अधिकांश स्लीपर बसों में केवल एक एंट्री-एग्जिट प्वाइंट होता है, जिससे हादसे के समय यात्रियों को बाहर निकलने में भारी परेशानी होती है। ऊपरी बर्थ पर सो रहे यात्रियों के लिए स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो जाती है। परिवहन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते बसों की तकनीकी जांच, वायरिंग ऑडिट और सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्य जांच शुरू नहीं की गई तो भविष्य में और बड़े हादसे हो सकते हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए सरकार को सख्त गाइडलाइन लागू करने की जरूरत है।

बसों में आग लगने की प्रमुख वजहें

-अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से वायरिंग पर दबाव
-घटिया क्वालिटी की वायरिंग और मॉडिफिकेशन
-इंजन, बैटरी और इन्वर्टर की ओवरहीटिंग
-शॉर्ट सर्किट और गैस लीकेज
-नियमित फिटनेस और तकनीकी जांच का अभाव
-अग्निशमन उपकरणों का काम नहीं करना

यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम

-हर बस की नियमित तकनीकी जांच हो
-इमरजेंसी विंडो और एग्जिट अनिवार्य रूप से चालू रहें
-बसों में आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम लगाए जाएं
-ओवरलोड वायरिंग और अवैध मॉडिफिकेशन पर रोक लगे
-ड्राइवर और स्टाफ को फायर सेफ्टी ट्रेनिंग दी जाए
-परिवहन विभाग द्वारा सख्त मॉनिटरिंग की जाए

तीन दिन बाद फिर 43 डिग्री पहुंचा तापमान, गर्मी ने बढ़ाई परेशानी

पश्चिमी गर्म हवाओं का असर, रात का पारा भी 26.8 डिग्री पर पहुंचा-आज और बढ़ सकती है गर्मी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गर्मी का असर एक बार फिर तेज हो गया है। रविवार को अधिकतम तापमान बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे पहले करीब तीन दिन पहले अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री दर्ज किया गया था। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण दिन में लोगों को तेज धूप और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान में 1.3 डिग्री सेल्सियस का उछाल आने से रात का पारा 26.8 डिग्री तक पहुंच गया। इसके चलते रात में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के अनुसार पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवाओं के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को भी तापमान में और इजाफा हो सकता है। तेज गर्मी के चलते दोपहर के समय शहर की सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। चिकित्सकों ने भी तेज धूप में बाहर निकलने से बचने और अधिक पानी पीने की सलाह दी है।

डिस्पोजल गोदाम में पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देसाई नगर क्षेत्र में रविवार सोमवार रात डिस्पोजल गोदाम आग की लपटों से घिर गया। फायर ब्रिगेड की दमकल ने काबू पाया। आगजनी का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गए तो एक युवक पेट्रोल छिड़ककर आग लगता दिखाई दिया। पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की है

देसाई नगर स्थित जाल कम्पाउण्ड के पास युवराजसिंह जाट किराये के मकान में डिस्पोजल गोदाम संचालित करते हैं। रात को आसपास के लोगों ने उन्हें गोदाम में आग लगने की जानकारी दी। युवराज मोके पर पहुचा। इस बीच फायर ब्रिगेड की दमकल भी मौके पर आ गई थी। फायर फायटरों ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए और 30 मिनट में पूरी तरह से काबू पा लिया।

गोदाम में डिस्पोजल रखा होने की वजह से आग तेजी से फैली जिसका तेजी गोदाम मूली तरी से जल चुका था। युवराजसिंह ने बताया कि आगजनी में उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है।

आग लगने की वजह सामने नहीं आ पाई थी जिसके चलते आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गए तो एक युवक आगजनी को अंजाम देता दिखाई दिया।

कैमरों के माध्यम से सामने आया है कि उक्त युवक ज्वलनशील पदार्थ भरकर साथ लाया था और उसमें आग लगाकर गोदाम में फेंककर भागा है। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस उक्त युवक की तलाश कर रही है।

कोतवाली थाना एसआई ने बुजुर्ग महिला को थप्पड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। परिवार के दो बच्चों मे हुए विवाद का मामला कोतवाली थाने पहुंचा तो पुलिस ने एक को थाने में बैठा लिया। मामला पारिवारिक होने पर परिवार की 70 वर्षीय वृद्धा थाने पहुंची और बच्चों को समझाने और छुड़ाने का प्रयास करने लगी। इसी बीच महिला एसआई ने वृद्धा को थप्पड़ मार दिया। वृद्धा कैंसर पीड़ित है।

क्षीरसागर क्षेत्र में प्रकाश सूर्यवंशी के परिवार में दो बच्चों के बीच रविवार शाम विवाद हो गया था। दोनों एक दूसरे की शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाने पहुंचे। जहा पुलिस में एक को थाने में बैठा दिया जिसे छुड़ाने के लिए 70 साल की कैंसर पीड़ित मां सुशीला बाई सूर्यवंशी थाने पहुंची तो वहां पुलिस कर्मियों से उनकी बहस हो गई इस दौरान महिला एस आई हर्षिता सांवरिया ने बुजुर्ग महिला को थप्पड़ मार दिया। कैंसर पीड़ित होने की वजह से उनके चेहरे से खून निकलने लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ी। परिजन जानकारी लगने पर थाने पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने भर्ती किया। परिजन मामले की शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाने पहुंचे लेकिन उनकी बात को नहीं सुना गया। पुलिसकर्मी महिला अधिकारी का ही पक्ष लेने लगे। परिजनों का कहना था कि थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जाए।

मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को लगी तो उन्होंने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। परिजनों का कहना था कि महिला अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उपचार संबंधित खर्च भी वहन किया जाए।

24 घंटे बिजली शिकायत सेवा के लिए जोनवार नंबर जारी

एयरटेल-जियो से बीएसएनएल लैंडलाइन पर कॉल नहीं हो रहीं कनेक्ट, एमपीईबी ने तकनीकी समस्या जल्द सुधारने की अपील की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी ने शहर के बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 24म7 शिकायत निवारण व्यवस्था को और सक्रिय करने के लिए शहर के सभी 9 जोन कार्यालयों में बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कॉल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। उपभोक्ता बिजली गुल होने, बिलिंग, मीटर खराबी, ट्रांसफार्मर तथा अन्य विद्युत समस्याओं की शिकायत इन नंबरों पर दिन-रात दर्ज करा सकते हैं।

पूर्व शहर संभाग के अंतर्गत महानंदा, महाश्वेता, कियोस्क और मकसी रोड जोन के लिए अलग-अलग लैंडलाइन नंबर जारी किए गए हैं। वहीं पश्चिम शहर संभाग में वल्लभ नगर, खेड़ापति, नई सड़क, छत्री चौक और कार्तिक मेला जोन के लिए भी 24 घंटे सक्रिय शिकायत केंद्र बनाए गए हैं।

एमपीईबी अधिकारियों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से एयरटेल और जियो मोबाइल नेटवर्क से इन बीएसएनएल लैंडलाइन नंबरों पर कॉल कनेक्ट नहीं होने की समस्या सामने आ रही है। कॉल करने पर उपभोक्ताओं को अपनी ही आवाज इको के रूप में सुनाई देती है, जिससे लोगों को लगता है कि कॉल रिसीव नहीं किया जा रहा है। जबकि संबंधित कॉल सेंटर लगातार सक्रिय हैं।

कंपनी ने इस समस्या को तकनीकी बताते हुए बीएसएनएल अधिकारियों से जल्द समाधान करने की अपील की है ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवा मिल सके। एमपीईबी अधिकारी श्री जयेंद्र ठाकुर ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिजली संबंधी शिकायतों के लिए अपने संबंधित जोन के नंबरों का उपयोग करें।

एक नजर जोनवार शिकायत नंबरों पर-

पूर्व शहर संभाग

महानंदा जोन - 0734-2920115
महाश्वेता जोन - 0734-2920113
कियोस्क जोन - 0734-2920112
मकसी रोड जोन - 0734-2920118

पश्चिम शहर संभाग...

वल्लभ नगर जोन - 0734-2990745
खेड़ापति जोन - 0734-2990748
नई सड़क जोन - 0734-2990746
छत्री चौक जोन - 0734-2990751
कार्तिक मेला जोन - 0734-2990749

धीमे काम पर सख्त हुए अफसर, सिंहस्थ के प्रोजेक्ट्स में अब 3 शिफ्ट में होगा काम

संभागायुक्त के निर्देश- सुस्त एजेंसी को करें ब्लैकलिस्ट, बारिश से पहले पूरे हों जरूरी काम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रशासन अब पूरी सख्ती के मूड में नजर आ रहा है। सोमवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने शहर में चल रहे मार्ग चौड़ीकरण और सड़क निर्माण कार्यों का पैदल निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर काम की धीमी गति सामने आने पर संभागायुक्त ने निर्माण एजेंसी को कड़ी चेतावनी देते हुए नगर निगम आयुक्त को कार्रवाई के निर्देश दिए।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने साफ कहा कि जो एजेंसी तय समय पर काम नहीं करेगी, उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए सभी निर्माण कार्य समय सीमा में पूरे करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अगले महीने से बारिश का दौर शुरू हो जाएगा, इसलिए उससे पहले जरूरी निर्माण कार्य तेजी से पूरे किए जाएं। इसके लिए निर्माण एजेंसियों को अब तीन शिफ्ट में काम करने के निर्देश दिए गए हैं। सोमवार सुबह संभागायुक्त, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने पैदल भ्रमण कर निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति देखी। अधिकारियों ने ढांचा भवन एमआर-4 दारू गोदाम मार्ग चौड़ीकरण, नानाखेड़ा चौराहा से शांति पैलेस तक बन रही सीसी रोड तथा केटीएम शोरूम से शांतिनगर होते हुए नीलगंगा चौराहा तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान शांतिनगर क्षेत्र में काम की धीमी रफ्तार देखकर संभागायुक्त नाराज हो गए। उन्होंने मौके पर ही निगम आयुक्त को संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने कहा कि केवल कागजों में प्रगति दिखाने से काम नहीं चलेगा। विभागीय अधिकारियों को भी मौके पर मौजूद रहकर हर दिन मॉनिटरिंग करनी होगी। संभागायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे दिन-रात तीन शिफ्ट में काम करें, ताकि बारिश शुरू होने से पहले अधिकतम कार्य पूरे हो सकें। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते काम नहीं हुआ तो बारिश के दौरान निर्माण प्रभावित होगा और आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ेगी। इधर कलेक्टर सिंह ने भी निर्माण एजेंसियों को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण स्थलों पर सुरक्षा में लापरवाही मिली तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से पहले प्रशासन का फोकस, तेजी से पूरे होंगे प्रोजेक्ट

-सिंहस्थ-2028 के तहत शहर में चल रहे सड़क और मार्ग चौड़ीकरण कार्यों की मॉनिटरिंग तेज
-धीमी गति से काम करने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई के निर्देश
-निर्माण कार्यों के लिए 3 शिफ्ट में काम कराने की तैयारी
-अधिकारियों को रोजाना फील्ड में रहकर निगरानी करने के निर्देश
-निर्माण स्थलों पर सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य
-बारिश शुरू होने से पहले जरूरी काम पूरे करने पर जोर

पिता पुत्र ने की थी रिश्तेदार के मकान में चोरी की वारदात

15 दिन बाद गिरफ्त में आए, 2.80 लाख का माल बरामद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक मैनेजर के मकान में हुई चोरी की वारदात में पिता-पुत्र शामिल होना सामने आये है। जो मैनेजर के रिश्तेदार ही है। दोनों इंदौर से बाइक पर आये थे और मकान का ताला तोड़कर आभूषण, नगदी सहित 5 लाख का माल चुराकर ले गये थे।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि 2 मई को सार्थक नगर में रहने वाले आईसीआईआईसी बैंक मैनेजर विनय जैन के मकान में चोरी की वारदात होना सामने आया था। जैन परिवार राजस्थान से लौटा तो मकान का दरवाजा टूटा मिला था। घर का सामान बिखरा था और आभूषणों के साथ नगदी गायब थी। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस ने जांच शुरू की थी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गये थे। जिसमें बाइक सवार 2 संदिग्ध दिखाई दिये थे। जिसमें एक ने चेहरा कपड़े से छुपा रखा था, पीछे बैठ व्यक्ति ने हेलमेट लगाया था। फुटेज के आधार पर दोनों की तलाश शुरू की गई और इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र में रहने वाले हेमंत जैन और आदित्य जैन को हिरासत में लिया गया। जो बैंक मैनेजर के रिश्तेदार होना सामने आये। जिनकी निशानदेही पर 2.80 लाख का सामान बरामद कर विवेचना एसआई वर्षा सोलंकी को सौंपी गई। मामले में एसआई सोलंकी ने बताया कि पूछताछ के दौरान हेमंत जैन की पत्नी को भी आरोपी बनाया है। चोरी की पूरी जानकारी थी। वारदात करने वाले परिवार को पता था कि रिश्तेदार विनय जैन राजस्थान जाने वाले है। मकान सूना रहेगा। इंदौर से पिता-पुत्र बाइक से आये थे और वारदात कर फरार हो गये थे। फिलहाल तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। शेष माल की बरामदगी के प्रयास जारी है।

उज्जैन पुलिस की डॉग स्क्वॉड में बढ़ी ताकत

भोपाल से आए दो नए डॉग- सिंहस्थ की सुरक्षा तैयारियों को मिलेगी मजबूती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन पुलिस लगातार अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। इसी कड़ी में पुलिस लाइन स्थित डॉग स्क्वॉड में दो नए प्रशिक्षित डॉग शामिल किए गए हैं। ये दोनों डॉग भोपाल से उज्जैन भेजे गए हैं। इसके पहले पुलिस लाइन में चार डॉग मौजूद थे, लेकिन अब इनकी संख्या बढ़कर छह हो गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सिंहस्थ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए डॉग स्क्वॉड की भूमिका अहम मानी जाती है। नए डॉग शामिल होने से संदिग्ध गतिविधियों की जांच, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की निगरानी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि डॉग स्क्वॉड अपराध जांच और सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। प्रशिक्षित डॉग चोरी, हत्या और अन्य अपराधों में आरोपियों तक पहुंचने के लिए घटनास्थल से मिले सुरागों की पहचान करते हैं। इसके अलावा विस्फोटक सामग्री, संदिग्ध वस्तुओं और नशीले पदार्थों की जांच में भी इनकी विशेष भूमिका रहती है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों और वीआईपी कार्यक्रमों में भी डॉग स्क्वॉड की सहायता ली जाती है। पुलिस विभाग का कहना है कि सिंहस्थ को लेकर सुरक्षा इंतजामों का लगातार विस्तार किया जा रहा है। आधुनिक संसाधनों के साथ पुलिस बल को भी मजबूत किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिल सके।

पंचायत एवं नगरीय निकाय फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप सिंह की अध्यक्षता में पंचायत एवं नगरीय निकाय फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2006 के अंतर्गत स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अपर आयुक्त नगर निगम श्री संतोष टैगोर एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्ष व प्रतिनिधि उपस्थित थें।

बैठक में जिले के अंतर्गत विकासखण्डवार ग्राम पंचायतों, विकास खण्डों और नगरीय निकायों की सामान्य जानकारी प्रदान की गई। उज्जैन जिले में कुल 06 विकास खण्ड है तथा 08 नगरीय निकाय हैं। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन विगत 15 मई को कर दिया गया है। इसके अनुसार उज्जैन जिले में कुल 609 ग्राम पंचायतों में 9 लाख 58 हजार 784 मतदाता हैं। इनमें 4 लाख 84 हजार 563 पुरूष एवं 4 लाख 74 हजार 207 महिलाएं व 14 अन्य मतदाता है।

इसी प्रकार नगरीय निकायों में कुल 192 वॉर्ड है। इनमें मतदाता सूची के 15 मई को किये गए प्रारूप प्रकाशन की स्थिति में 6 लाख 96 हजार 993 मतदाता हैं। इनमें 3 लाख 47 हजार 585 पुरुष, 3 लाख 49 हजार 347 महिलाएं व 61 अन्य मतदाता हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में बताया कि मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत आगामी 25 मई को दोपहर 3 बजे तक दावे आपत्ति प्राप्त किये जाएंगे।

दावे आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि शनिवार 30 मई निर्धारित की गई है। आगामी 18 जून को नगरीय निकाय एवं पंचायतों की अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची का निर्धारित विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन किया जाएगा।

महाकाल की भस्मारती बनी ठगी का जाल

गुजरात से दर्शन करने आई दो सहेलियां प्रोटोकॉल के फेर में फंसीं, चार बार में 42 हजार उड़ाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की भस्मारती में शामिल होने की चाह लेकर उज्जैन पहुंची गुजरात की दो महिलाओं के लिए आस्था का सफर ठगी के दर्द में बदल गया। गूगल पर मिला एक मोबाइल नंबर इतना भारी पड़ा कि वीआईपी दर्शन , नंदी हॉल एंट्री और प्रोटोकॉल के नाम पर शातिर बदमाश ने उनसे 42 हजार रुपए ऐंठ लिए। जब महिलाएं सुबह भस्मारती में शामिल होने मंदिर पहुंचीं तो काउंटर पर पता चला कि उनके नाम से कोई बुकिंग ही नहीं हुई। मामला सामने आने के बाद महाकाल थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस मोबाइल नंबर के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। महाकाल थाना पुलिस के मुताबिक गुजरात के वडोदरा की रहने वाली वीणा धनेरिया अपनी दोस्त अल्पना पटेल के साथ महाकाल दर्शन के लिए रविवार को उज्जैन आई थीं। दोनों ने भस्मारती में शामिल होने के लिए इंटरनेट पर नंबर तलाशा। इसी दौरान दीपक मिश्रा नाम के व्यक्ति से संपर्क हुआ। आरोपी ने खुद को मंदिर व्यवस्था से जुड़ा बताते हुए भरोसा जीत लिया।

पहले बुकिंग, फिर प्रोटोकॉल... फिर रिफंड- ठग ने सबसे पहले दोनों महिलाओं से भस्मारती बुकिंग के नाम पर 11,500 रुपए जमा कराए। इसके बाद कहा कि प्रोटोकॉल अप्रूवल के लिए 10 हजार रुपए और लगेंगे, जो बाद में वापस हो जाएंगे। महिलाओं ने रकम भेज दी तो आरोपी ने नया बहाना बना दिया। बोला- पेमेंट अटक गया है, दूसरे नंबर से ट्रांसफर करो। इसके बाद महिला ने अपने पति से 10 हजार रुपए और भिजवा दिए।

इतना ही नहीं, अगले दिन आरोपी ने नंदी हॉल से विशेष दर्शन कराने का लालच देकर 10,500 रुपए और ऐंठ लिए।

सुबह फोन आया, बुकिंग नहीं हुई- रविवार सुबह दोनों महिलाएं भस्मारती के लिए तैयार होकर मंदिर पहुंचीं, तभी आरोपी का फोन आया कि बुकिंग नहीं हो पाई, पैसा वापस कर रहे हैं। महिलाओं को शक हुआ तो उन्होंने मंदिर काउंटर पर पूछताछ की। वहां सच्चाई सामने आई कि उनके नाम से कोई स्लॉट बुक ही नहीं था। इसके बाद महिलाओं ने महाकाल थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

महाकाल में आस्था, बाहर सक्रिय ठग- महाकाल मंदिर में हर दिन हजारों श्रद्धालु भस्मारती में शामिल होने पहुंचते हैं। ऑनलाइन स्लॉट मिनटों में फुल हो जाते हैं। इसी का फायदा उठाकर साइबर ठग और दलाल सक्रिय हो गए हैं। वे खुद को मंदिर से जुड़ा व्यक्ति बताकर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को निशाना बना रहे हैं। करीब डेढ़ साल पहले भी दर्शन और भस्मारती के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ था। कई आरोपी पकड़े गए थे, लेकिन इसके बावजूद मंदिर क्षेत्र में फर्जी एजेंटों का नेटवर्क खत्म नहीं हो पाया।

ऐसे पहचानिए ठगी का खेल - गूगल पर मिले नंबर को मंदिर का आधिकारिक नंबर मानने की गलती न करें
-वीआईपी, प्रोटोकॉल और गारंटी दर्शन का दावा करने वालों से सतर्क रहें
-किसी निजी यूपीआई नंबर पर पैसे ट्रांसफर न करें
-भस्मारती की बुकिंग सिर्फ अधिकृत ऑनलाइन सिस्टम से ही करें
-शक होने पर तुरंत पुलिस और मंदिर हेल्पलाइन से संपर्क करें

गर्भवती महिला की संदिग्ध हालत में मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डिलेवरी के लिए चरक अस्पताल लाई गई गर्भवती महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया। मामला संदिग्ध होने पर पुलिस ने सोमवार सुबह पोस्टमार्टम करवाया है। छोटी कमल कॉलोनी चिमनगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली पुष्पा पति योगेश डोडिया 32 वर्ष को परिजन रविवार दोपहर डिलेवरी के लिए चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां लेबर रूम में पुष्पा को अचानक तेज सांस चलने लगी। उसकी हालत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया लेकिन कुछ देर बाद पुष्पा की मौत हो गई। इस दौरान पुष्पा के साथ आई महिलाओं ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया। ड्यूटी पर डॉ. ईशिता शास्त्री और डॉ. भरत यादव मौजूद थे। जिन्होंने मामले में संदेह जताया और परिवार से पोस्टमार्टम करवाने की बात कही। इस बात को लेकर भी परिवार और स्टॉफ के बीच तनाव की स्थिति बन गई। देर शाम शव को पोस्टमार्टम कक्ष पहुंचाया गया और मामले की सूचना चिमनगंज थाना पुलिस को दी गई। आज सुबह परिजनों ने पोस्टमार्टम के दौरान एक बार फिर लापरवाही के आरोप अस्पताल प्रबंधन पर लगाए। बताया जा रहा है कि गर्भ में पल रहे शिशु की भी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट होने की बात कही है।

अ.जा. वर्ग के उत्थान के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना संचालित की गयी है, जिसमें राशि रु. 1 लाख से 50 लाख तक का ऋण उद्योग / व्यवसाय एवं सेवा ईकाई के लिए बैंक के माध्यम से प्रदाय किए जाकर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान 7 वर्ष तक एवं ग्यारंटी शुल्क शासन द्वारा दिए जाने का प्रावधान है। उक्त योजना का लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे हितग्राही जो न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो तथा म.प्र. का मूल निवासी होकर उम्र 18 से 45 वर्ष के मध्य हो लाभ लेने हेतु प्रात्र होंगे।